हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

हर खबर पर पैनी नजर

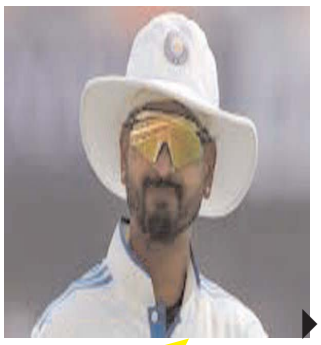

2

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

वर्ष:4 अंक:243 पृष्ठ:08 मुल्य:1 रूपये pathpravah.com हरिद्वार, रविवार, 07 सितंबर 2025

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने पौंसरी आपदा प्रभावितों से की मुलाकात, हर संभव सहायता का भरोसा

पथ प्रवाह, बागेश्वर

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को बागेश्वर जनपद के आपदा प्रभावित क्षेत्र पौंसरी का दौरा कर प्रभावित ग्रामीणों का हालचाल जाना। उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में राज्य सरकार पूरी मजबूती से प्रभावितों के साथ खड़ी है और हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बैसानी में आपदा प्रभावित ग्रामीणों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुना। उन्होंने जिलाधिकारी बागेश्वर आशीष भटगांई से राहत एवं बचाव कार्यों की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने बताया कि 29 अगस्त को अतिवृष्टि के कारण पौंसरी के खाईजर तोक में पांच मकान मलबे में दब गए थे। वहां रहने वाले छह लोगों में से पांच दब गए, जबकि एक व्यक्ति सुरक्षित बचा। अब तक तीन शव बरामद किए जा चुके हैं, शेष दो की तलाश एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, फायर टीम, ड्रोन, डॉग स्क्वाड और विक्टिम लोकेटिंग कैमरे की मदद से जारी है। प्रभावितों को राहत राशि वितरित कर दी गई है तथा सभी आवश्यक सेवाएं बहाल कर दी गई हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि प्रभावित क्षेत्र में नुकसान का आकलन कर पुनर्वास की प्रक्रिया को गति दी जाएगी। उन्होंने बताया कि क्षतिग्रस्त पिटकुल के 132 केवी सब स्टेशन को दुरुस्त करने के लिए 52 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस अवसर पर विधायक सुरेश गढ़िया, जिला पंचायत अध्यक्ष शोभा आर्या, पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोड़के, प्रभागीय वनाधिकारी आदित्य रत्ना, मुख्य विकास अधिकारी आर.सी. तिवारी, अपर जिलाधिकारी एन.एस. नबियाल, उपजिलाधिकारी प्रियंका रानी, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी शिखा सुयाल समेत बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी के नेतृत्व में अर्द्धकुंभ 2027 के लिए स्वास्थ्य विभाग का मास्टर प्लान

पथ प्रवाह, हरिद्वार

उत्तराखंड सरकार ने वर्ष 2027 के अर्द्धकुंभ मेले को चदिव्य और भव्य' बनाने की दिशा में बड़ी पहल की है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग ने तीर्थयात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को केंद्र में रखकर विस्तृत मास्टर प्लान तैयार कर लिया है। इस योजना पर करीब 54 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने बताया कि विभाग का लक्ष्य है कि मेले में आने वाले किसी भी श्रद्धालु को इलाज के लिए परेशानी न झेलनी पड़े। इसके लिए 2924 बेड, 40 एम्बुलेंस, आधुनिक मशीनों और नई चिकित्सा इकाइयों तक की व्यवस्था की जाएगी।

मुख्यमंत्री बोले- च्हर यात्री का अनुभव सुरक्षित और संतोषजनक हो'

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि अर्द्धकुंभ सिर्फ धार्मिक

आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि उत्तराखंड की संस्कृति और परंपरा की झलक भी है। सरकार की प्राथमिकता है कि हर यात्री सुरक्षित, स्वस्थ और संतुष्ट अनुभव लेकर घर लौटे। उन्होंने स्पष्ट किया कि शासन-प्रशासन की सभी एजेंसियां मिलकर काम कर रही हैं।

स्थायी और अस्थायी कार्यों पर होगा खर्च

डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि 683 लाख रुपये स्थायी कार्यों पर और 3765 लाख रुपये अस्थायी कार्यों पर खर्च किए जाएंगे। 2924 बेड की व्यवस्था की जायेगी। 35 अस्थायी अस्पतालों में 373 बेड, 13 सरकारी अस्पतालों में 1101 बेड और निजी अस्पतालों में 1450 बेड आरक्षित रहेंगे। 40 एम्बुलेंस तैनात रहेगी। इनमें से 16 पुरानी और 24 नई खरीदी जाएंगी, जिनमें एडवांस व बेसिक लाइफ सपोर्ट दोनों सुविधाएं होंगी। श्रद्धालुओं के खानपान की गुणवत्ता जांचने के लिए तीन नई फूड सेफ्टी वैन उपलब्ध कराई जाएंगी।

रोशनाबाद में बनेगा ड्रग वायर हाउस

कुंभ मेले के लिए 120 लाख रुपये की लागत से रोशनाबाद में ड्रग वायर हाउस तैयार होगा। इसमें 6 कमरे, 2 हॉल और एक स्टोर बनाया जाएगा। इसके अलावा विभाग को 60 वाहन चाहिए होंगे, जिनमें से 4 खरीदे जाएंगे और बाकी किराए पर लिए जाएंगे।

संक्रामक रोगों पर नियंत्रण की तैयारी

भीड़ के मद्देनज़र संक्रामक रोगों से बचाव के लिए 5 माउंटेबल फॉगिंग मशीनें (25 लाख रुपये) और 35 पोर्टेबल फॉगिंग मशीनें (18 लाख रुपये) खरीदी जाएंगी।

भूपतवाला अस्पताल का कायाकल्प

भूपतवाला अस्पताल को आधुनिक उपकरणों से लैस किया जाएगा। यहां 15 लाख की लागत से डॉप्लर युक्त अल्ट्रासाउंड मशीन और 18 लाख की लागत से सीआर एक्स-रे मशीन लगाई जाएगी।

समन्वित टीम कर रही काम

कुंभ मेले की तैयारियां मेला अधिकारी डॉ. मनोज वर्मा के नेतृत्व में की जा रही हैं। स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि सभी विभागों के साथ बेहतर तालमेल बनाकर व्यवस्थाओं को मजबूत किया जा रहा है।

ट्रंप के रूख में बड़ा बदलाव, बोले भारत के साथ रिश्ते अहम, मोदी अच्छे दोस्त

नयी दिल्ली। अमेरिका द्वारा भारत पर भारी टैरिफ लगाये जाने के बाद दोनों देशों में चल रही तनातनी के बीच पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत के साथ संबंधों को विशेष और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अच्छा दोस्त बताये जाने वाले बयान और उस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सकारात्मक जवाब के बाद इस मुद्दे के समाधान की उम्मीद बढ गयी है। श्री ट्रंप ने शुक्रवार को अपने पहले दिये गये बयान से बारह घंटे में ही पलटते हुए व्हाइट हाउस में भारत के साथ रिश्तों को बेहद खास बताते हुए कहा था कि वह और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हमेशा अच्छे दोस्त रहेंगे। प्रधानमंत्री मोदी की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि वह महान प्रधानमंत्री हैं। दोनों देशों के संबंधों के बारे में श्री ट्रंप ने कहा कि चिंता की कोई बात नहीं है। उन्होंने कहा कि उनकी प्रधानमंत्री मोदी के साथ अच्छी बनती हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने साथ ही यह भी कहा कि लेकिन उन्हें भारत द्वारा रूस से तेल खरीदने को लेकर नाराजगी भी है। साथ ही उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच कभी-कभी इस तरह की बातें हो जाती हैं। मोदी ने शनिवार को इसके जवाब पर बेहद सकारात्मक प्रतिक्रिया करते हुए कहा कि वह श्री ट्रंप की भावनाओं का सम्मान करते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा, राष्ट्रपति ट्रम्प की भावनाओं और हमारे संबंधों के सकारात्मक मूल्यांकन की हम तहे दिल से सराहना करते हैं और उनका पूर्ण समर्थन करते हैं।

भारत और अमेरिका के बीच एक अत्यंत सकारात्मक और दूरदर्शी व्यापक एवं वैश्विक रणनीतिक साझेदारी है।

उल्लेखनीय है कि श्री ट्रंप ने इससे पहले चीन में प्रधानमंत्री मोदी, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की मुलाकात के बाद कहा था कि लगता है हमने भारत और रूस को चीन के हाथों खो दिया है।

लेकिन बारह घंटे के अंदर ही श्री ट्रंप ने अपने रूख को बदलते हुए भारत के साथ रिश्तों को अहम बताया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भी प्रशंसा की और कहा कि चिंता की कोई बात नहीं है।

श्री ट्रंप के इस बयान तथा इस पर प्रधानमंत्री की सकारात्मक प्रतिक्रिया से दोनों देशों के बीच टैरिफ मुद्दे के जल्द समाधान की उम्मीद बढ गयी है।

जीएसटी दरों में छूट का लाभ आम लोगों को मिले - यह सुनिश्चित करे सरकार : कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कटौती करके आम लोगों को फायदा पहुंचाने का प्रयास हुआ है लेकिन अब यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि इस पहल से खास लोग ही नहीं बल्कि जन सामान्य लाभान्वित हों।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख जयराम रमेश ने शनिवार को सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि सरकार को इस बात पर भी नजर रखनी है कि क्या जीएसटी दरों में कटौती से

सामान्य उपयोग की वस्तुओं की कीमतों में कमी आ रही है। इस पर नजर रखने के लिए उसे फिर से राष्ट्रीय मुनाफाखोरी निरोधक प्राधिकरण-एनएए को सक्रिय करना पड़ेगा। इस प्राधिकरण को एक अधिसूचना के माध्यम से सरकार ने ही लगभग निष्क्रिय कर दिया था और अब उम्मीद की जानी चाहिए कि जीएसटी की नयी दरें लागू होने के बाद एनएए को फिर से सक्रिय कर दिया जाएगा। रमेश ने कहा, केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम, 2017 की धारा 171 के तहत एनएए की स्थापना इस बात पर नज़र रखने के लिए की गई थी कि क्या जीएसटी दरों में कटौती से कीमतों में कमी आई है। उन्होंने कहा कि दिक्कत यह है कि एनएए को निष्क्रिय कर दिया गया है। मोदी सरकार ने पिछले साल 30 सितंबर को एक अधिसूचना जारी कर इस वर्ष एक अप्रैल से एनएए को लगभग समाप्त कर दिया। जीएसटी में किये गये सुधारों का लाभ आम लोगों तक पहुंचे इस पर नजर रखने के लिए एनएए आवश्यक है। कांग्रेस नेता ने एनएए की स्थिति को लेकर सरकार से सवाल पूछा क्या अब एनएए को नया जीवन मिलेगा। यह कैसे सुनिश्चित किया जाएगा कि दरों में कटौती का फ़ायदा सिर्फ़ कुछ ख़ास लोगों को ही न मिले।

नकली दवाओं के खिलाफ सघन चेकिंग अभियान चलाने के निर्देश : मुख्यमंत्री धामी

पथ प्रवाह, देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को मुख्यमंत्री आवास में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में कहा कि जनस्वास्थ्य के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने जिलाधिकारियों, पुलिस और स्वास्थ्य विभाग को संयुक्त रूप से नकली दवाओं के निर्माण और बिक्री के खिलाफ सघन अभियान चलाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अवैध कारोबार में संलिप्त लोगों पर कठोरतम कार्रवाई की जाए और पूरे नेटवर्क को ध्वस्त किया जाए।

बैठक में मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने धराली आपदा प्रभावित परिवारों के पुनर्वास, राहत और आजीविका को सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

बताया। उन्होंने निर्देश दिया कि सचिव राजस्व की अध्यक्षता में गठित समिति अपनी रिपोर्ट शीघ्र प्रस्तुत करे, ताकि अन्य आपदा प्रभावित क्षेत्रों में भी व्यापक स्तर पर पुनर्वास और राहत कार्य किए जा सकें। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने प्रदेश में व्यापक स्तर पर स्वदेशी अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने मंत्रिगण, अधिकारियों और कर्मचारियों से स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सरकारी खरीद में स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता दी जाए और सभी आयोजनों में स्थानीय उत्पादों के अधिकतम उपयोग को सुनिश्चित किया जाए। जीएसटी स्लैब में हालिया बदलावों से भी स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा मिलेगा।

अग्निवीरों के लिए प्रशिक्षण व्यवस्था पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दृष्टि पत्र में जनता से किए गए वादों को पूरा करने के लिए सरकार पूरी निष्ठा से कार्य कर रही है और जनभावनाओं व आकांक्षाओं को ध्यान में रखकर संकल्पबद्ध होकर आगे बढ़ रही है।

बैठक में प्रमुख सचिव आर.के. सुधांशु, सचिव शैलेश बगोली, अपर पुलिस महानिदेशक ए.पी. अंशुमान, सचिव एवं गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पाण्डेय, विशेष सचिव डॉ. पराग मधुकर धकाते और अपर सचिव बंशीधर तिवारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से निरंजन पीठाधीश्वर आचार्य कैलाशानन्द गिरि और अखाड़ा परिषद अध्यक्ष रविंद्रपुरी महाराज ने की भेंट

धर्म, संस्कृति और आध्यात्मिक उन्नति पर हुई चर्चा

पथ प्रवाह, संवाददाता - देहरादून

देहरादून। मुख्यमंत्री आवास पर शनिवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से निरंजन पीठाधीश्वर आचार्य महामण्डलेश्वर स्वामी कैलाशानन्द गिरि महाराज एवं अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष स्वामी रविंद्रपुरी महाराज ने शिष्टाचार भेंट की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दोनों संतों के साथ धर्म, संस्कृति और राज्य की आध्यात्मिक उन्नति से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया। कुंभ पर्व 2027 की दिव्यता और भव्यता को लेकर भी चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी की पहल- देहरादून का ऐतिहासिक घण्टाघर नये स्वरूप में रोशन

पथ प्रवाह, देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को राजधानी देहरादून के ऐतिहासिक घण्टाघर का भव्य रूपांतरण और स्वचालित प्रकाश व्यवस्था का लोकार्पण किया। करीब डेढ़ करोड़ रुपये की लागत से इस धरोहर को नया स्वरूप मिला है।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि घण्टाघर देहरादून की पहचान है और इसका नया रूप पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि यह पहल न केवल शहर की सुंदरता को बढ़ाएगी, बल्कि नागरिकों में संरक्षण और स्वच्छता की भावना भी जागृत करेगी।

महिला शक्ति के लिए हिलांस आउटलेट

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने महिला स्वयं सहायता समूहों के लिए बने 4 आधुनिक हिलांस-कम-किचन आउटलेट्स का भी उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि ये आउटलेट महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाएंगे और स्थानीय उत्पादों को नया बाजार देंगे। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि देहरादून में कलेक्ट्रेट, कोरोनेशन अस्पताल, गुच्चुपानी और आईएसबीटी में भी हिलांस कैंटीन शुरू की गई हैं। इससे लोगों को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण वस्तुएं मिलेंगी।

बाल भिक्षावृत्ति उन्मूलन की पहल

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि देहरादून में बाल भिक्षावृत्ति रोकने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अब तक 82 बच्चों को रेस्क्यू कर स्कूलों में दाखिला दिलाया गया है। साधूराम इंटर कॉलेज में डेढ़ करोड़ रुपये की लागत से इंटेंसिव केयर सेंटर भी बनाया जाएगा।

1400 करोड़ की परियोजनाएं जारी

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि देहरादून में लगभग 1400 करोड़ की विकास परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है। शहर में 30 इलेक्ट्रिक बसें चल रही हैं और 11 चार्जिंग स्टेशन बनाए जा रहे हैं। साथ ही भूमिगत पार्किंग और एलिवेटेड रोड से ट्रैफिक व पार्किंग समस्या का स्थायी समाधान किया जाएगा।

कार्यक्रम में रहे मौजूद

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, सुबोध उनियाल, विधायक खजान दास सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, व्यापारी और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

श्रेयस अय्यर ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ बहु-दिवसीय मैचों में भारत ए की कप्तानी करेंगे

मुंबई। आगामी एशिया कप से बाहर रहने के बाद, श्रेयस अय्यर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 16 सितंबर से लखनऊ में खेले जाने वाले दो बहु-दिवसीय मैचों के लिए भारत ए टीम में शामिल किया गया है। मुंबई का यह बल्लेबाज उस टीम की कप्तानी करेगा जिसमें साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल और प्रसिद्ध कृष्णा जैसे कुछ अन्य नए टेस्ट खिलाड़ी भी शामिल हैं।

इस बीच, केएल राहुल और मोहम्मद सिराज, जो एशिया कप के लिए टीम में नहीं हैं, को 23 सितंबर से ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ शुरू होने वाले दूसरे

मैच के लिए दो अन्य खिलाड़ियों की जगह ए टीम में शामिल किया जाएगा। यह 2 अक्टूबर से वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरू होने वाली घरेलू टेस्ट सीरीज़ से पहले अभ्यास के तौर पर होगा।

दो बहु-दिवसीय मैचों के बाद, भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए 30 सितंबर, 3 अक्टूबर और 5 अक्टूबर को कानपुर में तीन एकदिवसीय मैच खेलेंगे।

भारत ए टीम- श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिमन्यु ईश्वरन, एन जगदीशन (विकेटकीपर), साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल (उपकप्तान और विकेटकीपर), देवदत्त पडिक्कल, हर्ष दुबे, आयुष बदोनी, नितीश रेड्डी, तनुश कोटियन, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बरार, खलील अहमद, मानव सुथार, यश ठाकुर

एक नजर

पुलिस कप्तान ने बदल डाले थानाध्यक्ष और कोतवाली प्रभारी

पथ प्रवाह, हरिद्वार। हरिद्वार के एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने देर रात जनपद के कई थानों के प्रभारी और थानाध्यक्ष बदल दिए हैं। इनमें कोतवाली रानीपुर और ज्वालापुर के प्रभारी भी शामिल हैं। ज्वालापुर कोतवाली में कुंदन सिंह राणा को भेजा गया है। जबकि यहां अभी तक तैनात अमरजीत सिंह को मंगलौर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक की जिम्मेदारी दी गई है। एसएसपी ने ?श्यामपुर थानाध्यक्ष नितेश शर्मा को सिडकुल थानाध्यक्ष बनाया गया है। प्रभारी निरीक्षक मंगलौर शांति कुमार को कोतवाली रानीपुर का प्रभारी निरीक्षक बनाया गया है। यहां प्रभारी रहे कमल मोहन भंडारी को प्रभारी हाईकोर्ट/शिकायत प्रकोष्ठ सैल का प्रभारी बनाया गया है। निरीक्षक मनीष उपाध्याय को प्रभारी निरीक्षक कोतवाली रुड़की की जिम्मेदारी दी गई है। निरीक्षक चंद्रमोहन को कनखल से हटाकर पुलिस कार्यालय हरिद्वार बुलाया गया है, उनके स्थान पर खानपुर प्रभारी रहे रविंद्र शाह को कनखल का प्रभारी बनाया गया है। निरीक्षक मनोहर भंडारी को प्रभारी निरीक्षक कोतवाली गंगनहर की जिम्मेदारी दी गई है। निरीक्षक आरके सकलानी को कोतवाली गंगनहर से हटाकर प्रभारी डीसीआरबी बनाया गया है। निरीक्षक प्रदीप बिष्ट को प्रभारी सीआईयू रुड़की की जिम्मेदारी दी गई है। चौकी प्रभारी शांतरशाह खेमेंद्र गंगवार को एसएसआई कोतवाली ज्वालापुर बनाया गया है। इनके अलावा उप निरीक्षक मनोज शर्मा को थानाध्यक्ष श्यामपुर, उपनिरीक्षक धर्मेंद्र राठी को थानाध्यक्ष खानपुर, उपनिरीक्षक अजय शाह को थानाध्यक्ष झबरेडा, उपनिरीक्षक अंकुर शर्मा को थानाध्यक्ष बहादराबाद बनाया गया है। इनके अलावा दीप कुमार को एसएसआई कोतवाली गंगनहर, उपनिरीक्षक नन्द किशोर ग्वाडी को एसएसआई कोतवाली नगर,उपनिरीक्षक रमेश सैनी को एसएसआई भगवानपुर बनाया गया है। उपनिरीक्षक नितिन चौहान को एसएसआई थाना कनखल की जिम्मेदारी दी गई है।

हेरिटेज होटल्स सिर्फ व्यवसाय नहीं बल्कि अतीत और वर्तमान के बीच सेतु-शेखावत

जयपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा है कि हेरिटेज होटल्स सिर्फ व्यवसाय नहीं हैं बल्कि अतीत और वर्तमान के बीच सेतु हैं। ये हमारे कारीगरों को सम्मान और युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार देते हैं। शेखावत ने शनिवार को कैसल कानोता में इंडियन हेरिटेज होटल्स एसोसिएशन (आईएचएचए) के 12वें वार्षिक सम्मेलन और 24वीं वार्षिक आम बैठक में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार इसको लेकर प्रतिबद्ध है कि न केवल हेरिटेज होटलों को टूरिज्म योजनाओं का अभिन्न हिस्सा बनाया जाएगा बल्कि कंजर्वेशन के लिए इंसेंटिव्स और सर्टिफिकेशन को भी मजबूत किया जाएगा। आईएचएचए के साथ सक्रिय साझेदारी की दिशा में सक्रियता के साथ काम किया जाएगा।

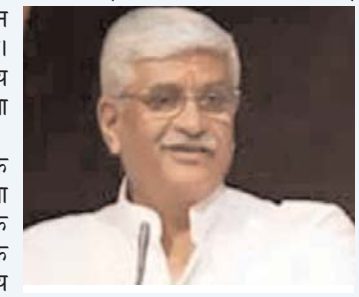

उन्होंने कहा कि देश के अन्य हिस्सों के अलावा राजस्थान को वैश्विक रोमांटिक हेरिटेज डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करने का समय आ गया है। उन्होंने कुछ सुझाव देते हुए कहा कि सबसे पहले राजस्थान में रोमांटिक हेरिटेज सर्किट बनाया जा सकता है, जिसमें जयपुर, शेखावाटी, उदयपुर, जोधपुर और आईएचएचए की चुनिंदा 12 प्रॉपर्टीज शामिल की जा सकती है जिन्हें वेडिंग्स, फिल्म शूट्स, माइस् (एमआईसीई) और एक्सपीरिएंशल टूरिज्म के लिए खासतौर पर आकर्षक बनाया जा सकता है। बकायदा इसके लिए स्वदेश दर्शन 2.0 और प्रसाद योजना से फंडिंग ली जा सकती है। उन्होंने सुझाव दिया कि एक हेरिटेज होटल मॉडर्नाइजेशन फंड (एचएचएमएफ) बने , जिससे कंजर्वेशन, फायर सेफ्टी और एनजीं अपग्रेड जैसी जरूरतें पूरी हों। इसके अलावा मिनिस्ट्री ऑफ टूरिज्म के सहयोग से रोमांटिक हेरिटेज सर्टिफिकेशन शुरू किया जा सकता है, जो होटल की ऑथेन्टिसिटी और रोमांस-रेडी सुविधाओं को दर्शाने वाला हो। शेखावत ने कहा कि हेरिटेज होटलों को स्थानीय युवाओं और कारीगरों के लिए स्किल एंड क्राफ्ट हब्स बनाया जा सकता है ताकि रोजगार और सांस्कृतिक पहचान दोनों को बढ़ावा मिल सके। साथ ही, वेडिंग टूरिज्म के लिए टूलकिट तैयार की जा सकती है, जिसके लिए आईएचएचए को फिल्म बोर्ड्स से जोड़कर डिजिटल स्टोरीज़ और डॉक्युमेंट्रीज को प्रोत्साहन मिल सकता है। उन्होंने आईएचएचए के सदस्यों से अपील की कि वे सभी होटल्स की ऑफिशियल मंजूरी और रिन्युअल्स समय पर करवाएं, ताकि उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर विजिबिलिटी मिल सके।

इंडिगो के अबू धाबी जा रहे विमान में तकनीकी खराबी, वापस कोच्चि लौटा

कोच्चि/नयी दिल्ली। इंडिगो का कोच्चि से अबू धाबी जा रहा विमान शनिवार को तकनीकी खराबी के कारण वापस कोच्चि लौट आया। इंडिगो ने एक बयान में बताया कि उड़ान संख्या 6ई 1403 ने छह सितंबर को कोच्चि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से अबू धाबी के लिए उड़ान भरी थी। रास्ते में तकनीकी खराबी का पता चलने के बाद पायलट ने सतर्कता बरतते हुये विमान को वापस कोच्चि की तरफ मोड़ दिया। कोच्चि हवाई अड्डे पर विमान की सुरक्षित लैंडिंग हुई। विमान को जरूरी जांच के लिए उड़ान भरने से रोक दिया गया है। यात्रियों को दूसरे विमान से अबू धाबी भेजा गया। इंडिगो के एक प्रवक्ता ने यात्रियों को हुई असुविधा पर खेद जताया है और सुरक्षा के प्रति एयरलाइंस की प्रतिबद्धता दर्शायी है।

विधायक आदेश चौहान ने शुरू कराया 53 लाख की सड़कों का निर्माण कार्य

पथ प्रवाह संवाददाता।

हरिद्वार, रानीपुर विधायक आदेश चौहान ने शनिवार को रावली महदूद के लक्ष्मीनगर, महावीर विहार, नेहरू नगर कॉलोनियों की सड़कों के निर्माण का कार्य विधिवत पूजन कर शुरू कराया। लगभग 53 लाख रुपए की लागत से इन सड़कों का निर्माण इंटरलाकिंग टाइल्स से किया जायेगा।

इस अवसर पर रानीपुर विधायक आदेश चौहान ने कहा कि क्षेत्र का विकास सरकार की प्राथमिकता में शामिल है। राज्य सरकार द्वारा अधिकारियों को सख्त निर्देश है कि विकास कार्यों की गुणवत्ता से किसी प्रकार का कोई समझौता ना किया जाये। सरकार की विभिन्न योजनाओं से पूरे विधानसभा क्षेत्र में लगातार विकास कार्य प्रगति पर हैं। भाजपा सरकार क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के

लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास कार्यों में किसी भी प्रकार धन की कमी नहीं रहने दी जाएगी। जनता को मूलभूत सुविधाओं का और भी बेहतर लाभ दिलाने का भाजपा सरकार का वादा लगातार धरातल पर नजर आ रहा है। क्षेत्रीय जनता ने रानीपुर विधायक का निर्माण कार्य शुरू कराने पर फूल माला पहनाकर स्वागत किया। कहा कि विधायक आदेश चौहान द्वारा कराए जा रहे कार्यों से क्षेत्र के विकास एवं सौंदर्यीकरण की दिशा में अभूतपूर्व तेजी आई है। भाजपा ओबीसी मोर्चा जिला उपाध्यक्ष ग्राम प्रधान प्रमोद पाल ने रानीपुर विधायक का धन्यवाद करते हुए कहा कि विधायक आदेश चौहान द्वारा क्षेत्र के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि विजय चौहान, ग्राम प्रधान प्रमोद पाल, विपिन चौहान, विनीत चौहान, ग्राम पंचायत सदस्य संजीव पाल, सोनू चौहान, अमित पाल, विजय पुंडीर, मुकेश शर्मा, व्यापक चौधरी, मांगेराम, सुभाष, लोकेश, जयवीर सिंह, विक्रांत कौशिक, दिनेश चौहान, गुड्डू पाल, आकाश पाल, विचित्र चौहान, विनोद कुमार, सुनील कुमार आदि मौजूद रहे।

इलाज के दौरान कर्मचारी की मौत पर साथी कर्मचारियों ने किया हंगामा

पथ प्रवाह संवाददाता। इलाज के दौरान एनेस्थिसिया की ओवर डोज देकर मरीज की जान लेने का आरोप लगाते हुए साथी कर्मचारियों ने जमकर हंगामा किया। हंगामे की सूचना पर पुलिस और स्वास्थ्य विभाग के अलावा प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। कर्मचारी मृतक के परिजनों को मुआवजा देने और डॉक्टर के खिलाफ केस दर्ज कर कड़ी कार्रवाई करने की मांग कर रहे थे। जानकारी के अनुसार लगभग दो सप्ताह पूर्व सिडकुल क्षेत्र में हिंदुस्तान यूनिलीवर का कर्मचारी श्रीचंद सड़क हादसे में घायल हो गया था। इलाज के लिए उसे शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। आरोप है कि तीन दिन पहले आरोपी डॉक्टर सुमन्तु ने उसे कम

पैसों में इलाज करने का लालच देकर अपने यहां बुला लिया। यहां शुक्रवार को उसे आपरेशन करने के लिए एनेस्थिसिया दिया गया है। आरोप है कि इसी दौरान मरीज की हालत बिगड़ने लगी, जिस पर उसे इलाज के लिए बंगाली अस्पताल में रैफर कर दिया गया। वहां इलाज के दौरान शुक्रवार देर रात उसकी मौत हो गई। शनिवार सुबह कंपनी के कर्मचारी श्रीचंद की मौत होने की सूचना मिलने पर डॉक्टर के क्लीनिक पर पहुंच गए और इलाज में लापरवाही का आरोप लगाकर हंगामा करने लगे। मौके पर कांग्रेस नेता वरुण बलियान भी पहुंचे और परिजनों का समर्थन किया। कर्मचारियों और परिजनों की मांग है कि मृतक के परिवार को एक करोड़ का मुआवजा दिया जाए और आरोपी डाक्टर के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की जाए। स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए जिला प्रशासन की ओर से तहसीलदार सचिन कुमार मौके पर पहुंचे और कर्मचारियों से वार्ता की। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, उनका धरना जारी रहेगा। सीएमओ आरके सिंह ने बताया कि क्लिनिक को सील कर दिया गया है और जांच शुरू कर दी गई है।

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित की औचक छापेमारी, लिकेज टैंक की तत्काल मरम्मत के निर्देश

पथ प्रवाह, हरिद्वार

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने शनिवार को रावली महदूद एवं जमालपुर कलां ग्राम पंचायतों में जल निगम द्वारा जल जीवन मिशन के तहत संचालित पेयजल योजनाओं और पम्प हाउस का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने क्षेत्रवासियों को समय पर पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने और लिकेज हो रहे वाटर टैंकों की तत्काल मरम्मत कराने के निर्देश दिए।

रावली महदूद के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने पेयजल टैंक से लिकेज पाए जाने पर नाराजगी जताई। उन्होंने अधिशासी अभियंता को निर्देशित किया कि स्थानीय लोगों की बैठक कर टैंक की मरम्मत की निश्चित तिथि तय की जाए ताकि ग्रामीण समय रहते पानी की व्यवस्था कर सकें। साथ ही, उन्होंने ग्रामीणों को सरकार द्वारा निर्धारित अंशदान की पूरी जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, जिससे किसी भी तरह की भ्रांति न रहे।

जमालपुर कलां के निरीक्षण के दौरान भी पेयजल टैंक में लिकेज पाया गया। इस पर जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने तत्काल मरम्मत कराने के निर्देश दिए। उन्होंने नाराजगी जताते हुए यह भी कहा कि पम्प हाउस परिसर में ठेकेदार द्वारा बिना अनुमति ट्रैक्टर-ट्रॉली और अन्य सामग्री रखना अनुचित है। अधिशासी अभियंता को निर्देशित किया गया कि ठेकेदार से सर्कल रेट के अनुसार किराया वसूला जाए, अन्यथा उसके खिलाफ कार्यवाही की जाए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने योजनाओं पर हुए व्यय और उपलब्ध कराए गए कनेक्शनों की जानकारी भी ली। अधिशासी अभियंता राजेश गुप्ता ने बताया कि– रावली मेहदूद पेयजल योजना- 12 करोड़ की लागत से निर्मित, 1950 किलोलीटर क्षमता का टैंक, 4900 घरों को कनेक्शन।

जमालपुर कलां पेयजल योजना- 10 करोड़ की लागत से निर्मित, 1400 किलोलीटर क्षमता का टैंक, 5500 घरों को कनेक्शन।

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने कहा कि पानी की सप्लाई सुबह और शाम तय समय पर की जाए तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी।

निरीक्षण के दौरान अधीक्षण अभियंता एम. मुस्तफा, सहायक अभियंता भूपेन्द्र सिंह, अवर अभियंता वर्षा सिंह एवं सीमा बिष्ट सहित संबंधित अधिकारी और ग्रामीण मौजूद रहे।

एक नजर

डीआईजी कलानिधि नैथानी ने परखी परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा व्यवस्था

पथ प्रवाह संवाददाता। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा आयोजित PET-2025 परीक्षा को सूचितापूर्ण, शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस उप महानिरीक्षक मेरठ परिक्षेत्र कलानिधि नैथानी ने परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। पुलिस उप महानिरीक्षक कलानिधि नैथानी शनिवार को पुलिस अधीक्षक नगर के साथ जनपद मेरठ के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर पहुंचे। इन परीक्षा केंद्रों में आर.जी. कॉलेज, दीवान पब्लिक स्कूल, सोफिया गर्ल्स स्कूल आदि शामिल रहे। यहां पहुंचकर पुलिस उप महानिरीक्षक ने सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया और सभी पुलिस अधिकारियों को परीक्षा के दौरान सभी परीक्षा केंद्रों पर भ्रमणशील रहने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सकुशल परीक्षा सम्पन्न कराने के लिए सुरक्षा व्यवस्था में किसी तरह की लापरवाही न बरतें। बतादें मेरठ रेंज के 106 परीक्षा केन्द्रों पर दिनांक 06.09.2025 व 07.09.2025 को PET परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें कुल 1,71,360 परीक्षार्थियों के लिए जनपद मेरठ में 66, बुलन्दशहर में 25 व हापुड़ में 15 परीक्षा केन्द्रों बनाए गए है।

भाजपा जिलाध्यक्ष आशुतोष शर्मा की टीम में अनुभव, जातीय संतुलन

पथ प्रवाह संवाददाता, हरिद्वार। भारतीय जनता पार्टी ने शनिवार को हरिद्वार जिले की बहुप्रतीक्षित कार्यकारिणी की घोषणा कर दी। जिलाध्यक्ष आशुतोष शर्मा ने संगठन के पदाधिकारियों से विचार-विमर्श के बाद नई कार्यकारिणी सूची जारी की। इस कार्यकारिणी के माध्यम से भाजपा ने जातीय और क्षेत्रीय संतुलन साधने की कोशिश की है।

हरिद्वार जिला कार्यकारिणी

■ जिला महामंत्री - हीरा सिंह बिष्ट, संजीव चौधरी
■ उपाध्यक्ष - लव शर्मा, आशु चौधरी, निपेंद्र चौधरी, तरुण नैयर, सीमा चौहान, संदीप अग्रवाल
■ कोषाध्यक्ष - अरविंद कुमार
■ मंत्री - अमरीश सैनी, विनित जौली, भूप सिंह, रेशु चौहान, ऋतु ठाकुर, पारुल चौहान
■ कार्यालय मंत्री - नकलीराम सैनी
■ सह कार्यालय मंत्री - लक्ष्मण सिंह नागर
■ मीडिया संयोजक - धर्मेंद्र चौहान
■ आईटी संयोजक - उमेश पाठक
■ सोशल मीडिया संयोजक - उमेश पाठक
■ सोशल मीडिया सह संयोजक - शिवम त्यागी

रुड़की जिला कार्यकारिणी

■ उपाध्यक्ष - संजय अरोड़ा, सोनू धीमान, भीम सिंह, सौरभ गुप्ता, प्रवेश प्रिया, संजीव तोमर
■ जिला महामंत्री - सागर गोयल, अक्षय प्रताप सिंह
■ जिला मंत्री - मधूप त्यागी, सतीश सैनी, तेजपाल मोर्या, नवनीत सिंह, प्रतिभा चौहान, सचिन झबरेड़ी
■ कोषाध्यक्ष - नितिन गोयल
■ कार्यालय मंत्री - कदम सिंह
■ सह कार्यालय मंत्री - गीता मलिक
■ मीडिया संयोजक - पंकज नंदा
■ आईटी संयोजक - सुशील रावत
■ सोशल मीडिया संयोजक - सुशील रावत
■ मीडिया सह संयोजक - अनुज त्यागी

जिलाध्यक्ष आशुतोष शर्मा ने कहा कि संगठन को मजबूत करने के लिए पदाधिकारियों का चयन संतुलन और परामर्श के आधार पर किया गया है।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय में दो न्यायाधीश नियुक्त

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अधिवक्ता अमिताभ कुमार राय और राजीव लोचन शुक्ला को इलाहाबाद उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त किया है। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय ने शनिवार को एक अधिसूचना जारी कर उनकी नियुक्ति से संबंधित यह घोषणा की। उधर, केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल ने भी अपने सोशल मीडिया एक्स हैंडल कर एक पोस्ट कर के सर्वश्री राय और शुक्ला को न्यायाधीश बनाने से संबंधित जानकारी साझा की। उन्होंने अपने में पोस्ट में लिखा, राष्ट्रपति भारत के संविधान द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए भारत के मुख्य न्यायाधीश के परामर्श के बाद अधिवक्ताओं- सर्वश्री अमिताभ कुमार राय और राजीव लोचन शुक्ला को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करते हैं।

संपादकीय

भारत में हर तीसरी मौत दिल की बीमारियों से?

रजिस्टार जनरल ऑफ इंडिया की सैंपल रजिस्ट्रेशन सर्वे की ताजा रिपोर्ट प्रकाशित हुई है। इस रिपोर्ट में बताया गया है, वर्ष 2021 से 2023 के बीच में भारत में जितनी मौत हुई है। उनमें लगभग 31 फ़ीसदी मौत दिल की बीमारियों के कारण हुई है। रिपोर्ट के अनुसार भारत में गैर संक्रामक रोग जैसे दिल की बीमारी, कैंसर, डायबिटीज इत्यादि से सबसे ज्यादा 56.7 फ़ीसदी मौते हुई हैं। रिपोर्ट से यह भी जानकारी मिलती है, संक्रामकरोग, मातृ और नवजात शिशु की 23.4 फ़ीसदी मौत दर्ज की गई हैं। कोविड से प्रभावित लोगों की मौत 2020 से 2022 के बीच में 55.7 और 24 फ़ीसदी दर्ज की गई है। रजिस्टर जनरल ऑफ इंडिया की जो रिपोर्ट जारी हुई है। उसके अनुसार 30 साल से कम उम्र के लोगों की हार्ट की बीमारियों के कारण मौत सबसे ज्यादा हो रही हैं। 15 से 29 साल तक के युवाओं की मौत आत्महत्या के कारण हो रही हैं। युवाओं में आत्महत्या की प्रवृत्ति बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। जो रिपोर्ट आई है, वह काफी चौंकाने वाली है। सांस से जुड़े संक्रमण और पाचन तंत्र की बीमारियों के कारण 5 फीसदी से अधिक लोगों की मौत हो रही हैं। सड़क हादसों में भी करने वालों की संख्या 3.7 फीसदी तक पहुंच गई है। लगातार बढ़ रही मौतों के कारण एक नई चिंता देखी जा रही है। सड़कों पर तेज रफ्तार की गाड़ियां, सड़क दुर्घटनाओं का सबसे बड़ा कारण है। तेज गति में दौड़ती गाड़ियों की जो लाइट है, वह सामने वाली गाड़ी के ड्राइवर की आंखों पर असर डालती हैं। जो दुर्घटना का सबसे बड़ा कारण है। सरकार जो भी नियम कानून बनाती है, उसमें व्यवहारिक पक्ष का ध्यान नहीं रखती है। जिसके कारण सड़क दुर्घटनाओं में लगातार मौत की संख्या बढ़ती ही जा रही हैं। इसी तरह से कोविड महामारी के बाद जिस तरह से युवाओं में हार्ट अटैक के कारण मौत हो रही हैं। वह चिंता का सबसे बड़ा कारण बना हुआ है। कोविड के बाद जो वैक्सीन लगी है। सभी को उसके दुष्परिणामों को लेकर सरकार अपने आप को बचाना चाहती है। जिसके कारण जिन युवाओं की साइलेंट अटैक से मौत हो रही है। उसके बारे में ठीक तरह से अनुसंधान नहीं होने के कारण युवाओं की मौतों को रोकने में कोई प्रयास सफल नहीं हो पा रहा है। यह चिंता का सबसे बड़ा कारण है। भारत में नकली दवाओं, फास्ट फूड का बढ़ता चलन, शारीरिक श्रम लगातार कम होने से बीमारियां बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही हैं। बीमारियों के साथ मौतों की संख्या भी निरंतर बढ़ती जा रही है। यह स्थिति भारत जैसे देश के लिए सबसे बड़ी चिंता का कारण है। सबसे बड़ी चिंता तो अब इस बात की होने लगी है। निम्न वर्ग जो हमेशा मेहनत और मजदूरी करके हमेशा स्वस्थ जीवन जीता था। अब उनमें भी बीमारियां लगातार बढ़ रही हैं। निम्न वर्ग में खाने-पीने और शारीरिक श्रम को लेकर जो बड़ा बदलाव आ रहा है। वह चिंता का सबसे बड़ा कारण है। स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्तमान में बड़ी चिंता पैदा कर दी है। भारत में सबसे ज्यादा युवाओं की आबादी होने के बाद भी बीमार युवाओं की संख्या बढ़ती जा रही है। कहा जाता है, शारीरिक रूप से स्वस्थ रहने पर ही मानव जीवन को बेहतर तरीके से जिया जा सकता है। जिस तरह से बीमारियां अब सभी उम्र के लोगों के बीच में देखने को मिल रही है। यह चिंता का सबसे बड़ा कारण बन गया है। आर्थिक कारणों से आत्महत्या लगातार बढ़ती जा रही है। बेरोजगारी, महंगाई, कर्ज के कारण भी बीमारियाँ लगातार बढ़ रही है। 20 से 30 फीसदी आबादी मनोरोग और मोटापे का शिकार है। ऐसी स्थिति में केन्द्र सरकार , राज्य सरकारों , धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों को अपनी जिम्मेदारी समझना होगी।

जीएसटी का नया दौर: कराधान व्यवस्था क्रांति की ओर

ललित गर्ग

भारतीय कराधान व्यवस्था में जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) का आगमन एक ऐतिहासिक एवं क्रांतिकारी कदम था। इसने अप्रत्यक्ष करों के जटिल और उलझे जाल को जहां सरल बनाने का प्रयास किया, वहीं शासन एवं प्रशासन में पसरे भ्रष्टाचार एवं अफसरशाही को भी काफी सीमा तक नियंत्रित किया। सुधार, सुविधा एवं जनता को राहत देने के लिये किये इस प्रयास के बावजूद इसमें अनेक जटिलताएं एवं भारी-भरकम कराधान जनता को बोझिल किये हुए था, इस बात को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार लम्बे समय से महसूस कर रही थी, इसीलिये इसवर्ष स्वतंत्रता दिवस के लालकिले के उद्बोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने जीएसटी को अधिक सुगम एवं जनता के हित में करने की घोषणा की। अब सरकार ने इसे और सुसंगठित करते हुए केवल दो स्लैब्स में कराधान को समेट दिया है और कर भी काफी कम कर दिये हैं तो निश्चय ही यह उपभोक्ताओं और कारोबारियों दोनों के लिए राहतकारी है। इसमें मिडल एवं लोअर क्लास का व्यापक ध्यान रखते हुए उन्हें राहत दी गयी है, जिससे हर परिवार के पास ज्यादा खर्च करने लायक आमदनी बचेगी और लोग अन्य वस्तुओं एवं सेवाओं पर अधिक खर्च कर सकेंगे। इन बड़े एवं क्रांतिकारी सुधारों से खपत बढ़ेगी, विकास को तीव्र गति मिल सकेगी। निश्चित ही यह एक नए कराधान युग का सूत्रपात है, जिसमें कर प्रणाली अधिक पारदर्शी, सरल और उपयोगी बनने की ओर अग्रसर है।

जीएसटी काउंसिल की 56वीं बैठक के बाद घोषित जीएसटी की नई दरें 22 सितंबर से लागू करने करने की घोषणा की गई है। जिसमें अब 12 व 28 फीसदी के दो स्लैब को खत्म करके सिर्फ 5 व 18 फीसदी कर दिया गया है। कहा जा रहा है कि यह सरकार की ओर से आर्थिक सुधारों की कड़ी में एक नई पहल एवं आयाम है, जिससे जीएसटी को तार्किक बनाने व आम जनता को महंगाई से राहत देने का प्रयास हुआ है। वहीं दूसरी ओर विलासिता आदि वस्तुओं के लिये चालीस फीसदी का एक नया स्लैब जोड़ा गया है। विपक्ष इसे देर से उठाया गया कदम बता रहा है, तो सरकार आर्थिक सुधार की दिशा में बड़ा कदम। जीएसटी के बड़े सुधार को लेकर विपक्ष और विशेषतः कांग्रेस एवं भाजपा के बीच जो आरोप-प्रत्यारोप शुरु हुआ है, वह इसलिये औचित्यहीन, अतार्किक एवं व्यर्थ है, क्योंकि जीएसटी परिषद ने लम्बी विवेचना एवं आम सहमति से यह फैसला लिया है। वहीं कुछ अर्थशास्त्री इस कदम को ट्रंप के टैरिफ वॉर के परिप्रेक्ष्य में उठाया गया सुरक्षात्मक कदम मानते हैं। जिससे घरेलू खपत को बढ़ाकर निर्यात घाटे को कम किया जा सकेगा। वहीं कुछ लोग इसे नवरात्र में दिवाली से पहले सरकार का तोहफा बता रहे हैं।

अनेक कर दरों की जटिलता उपभोक्ताओं के लिए हमेशा भ्रम और बोझ का कारण रही। बार-बार की दर-संशोधन प्रक्रियाओं से व्यापार जगत में असमंजस की स्थिति बनी रहती थी। अब दो स्लैब्स की व्यवस्था से यह समस्या काफी हद तक समाप्त हो जाएगी। उपभोक्ता को वस्तुओं और सेवाओं पर अपेक्षाकृत सरल, न्यायोचित और संतुलित कर ढांचा मिलेगा। इससे न केवल मूल्य स्थिरता आएगी, बल्कि खरीदारी और उपभोग की प्रक्रिया भी सहज होगी। इससे व्यापार एवं उद्योग भी विकास की रफ्तार पकड़ेंगे। यह कहना अनुचित नहीं होगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भ्रष्टाचार को नियंत्रित करने के लिए कई प्रभावी कदम उठाए गए हैं। डिजिटलाइजेशन, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण, आधार लिंकिंग और पारदर्शी तंत्र ने व्यवस्था में विश्वास जगाया है। जीएसटी भी इसी कड़ी का एक क्रांतिकारी सुधार है जिसने 'वन नेशन, वन टैक्स' की अवधारणा को मजबूत किया।

परंतु सच्चाई यह भी है कि जीएसटी विभाग आज भी भ्रष्टाचार की जकड़न से पूरी तरह मुक्त नहीं हो पाया है। छोटे व्यापारियों और उद्यमियों को आए दिन नोटिस, जांच और जटिल प्रक्रियाओं के जाल में उलझाया जाता है। कई बार भ्रष्ट तंत्र इन्हें भयभीत कर अनुचित लाभ उठाता है। यह स्थिति जीएसटी सुधार की भावना के विपरीत है। यदि वास्तव में कराधान को क्रांतिकारी मोड़ देना है, तो जीएसटी व्यवस्था को भी पूर्णतः भ्रष्टाचार मुक्त करना अनिवार्य होगा। यह किसी से छिपा नहीं है कि टैक्स विभाग लंबे समय तक भ्रष्टाचार का गढ़ बना रहा। जटिल कानून और अनेक कर-श्रेणियाँ इस भ्रष्टाचार को बढ़ावा देती थीं। लेकिन जब कराधान पारदर्शी और सरल होगा, तो अधिकारी और कारोबारी के बीच की अनावश्यक जटिलता भी कम होगी। इससे जनता एवं छोटे व्यापारियों का विश्वास व्यवस्था पर मजबूत होगा। अब आवश्यकता है कि सरकार जीएसटी प्रणाली को तकनीकी और प्रशासनिक स्तर पर और अधिक पारदर्शी बनाए। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल ट्रैकिंग का उपयोग कर कर चोरी रोकने के साथ-साथ अधिकारियों की मनमानी और रिश्वतखोरी पर भी अंकुश लगाया जा सकता है। करदाता के अधिकारों की रक्षा हो, ईमानदार व्यापारी को भयमुक्त वातावरण मिले और उपभोक्ता को राहत-तभी जीएसटी सचमुच क्रांति कहलाएगा। जीएसटी का नया दौर एक बड़ी राहत और परिवर्तन का संदेश लेकर आया है। अब अगला कदम यही होना चाहिए कि इसे भ्रष्टाचार से पूरी तरह मुक्त कर ईमानदार करदाताओं का विश्वास जीता जाए। तभी यह कहा जा सकेगा कि भारत ने वास्तव में 'सही अर्थों में एक राष्ट्र, एक कर और एक पारदर्शी कर व्यवस्था' की ओर निर्णायक कदम बढ़ा लिया है।

भारत की आर्थिक यात्रा में कुछ फैसले ऐसे होते हैं, जो केवल नीतिगत बदलाव नहीं, बल्कि युगांतरकारी मोड़ साबित होते हैं। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में हालिया सुधार उसी दिशा में उठाया गया एक साहसिक कदम है। कराधान व्यवस्था को सरल बनाने और जनता को सीधी राहत पहुँचाने की दिशा में यह सुधार महज सरकारी निर्णय नहीं, बल्कि एक लोककल्याणकारी दृष्टि का प्रमाण है। आजादी के बाद से भारत में कर-व्यवस्था जटिलताओं, बहुस्तरीय बोझ और भ्रष्टाचार की दलदल में फंसी रही। छोटे व्यापारी हों या आम उपभोक्ता, हर कोई अप्रत्यक्ष करों की इस भूलभुलैया से परेशान था। मोदी सरकार ने जीएसटी को लागू करके पहले ही इस दिशा में बड़ा कदम उठाया था, लेकिन अब इसे और सरल बनाना तथा दो स्लैब्स तक सीमित करना एक क्रांतिकारी सुधार है। इससे न केवल उपभोक्ताओं पर बोझ घटेगा, बल्कि व्यवसाय करने की सुगमता भी बढ़ेगी। अर्थव्यवस्था का असली इंजन जनता की जेब है। जब उपभोक्ता को राहत मिलती है, उसके हाथ में थोड़े अधिक पैसे बचते हैं, तो खपत बढ़ती है। यही खपत उद्योगों को गति देती है, उत्पादन में उछाल लाती है और अंततः रोजगार के नए अवसर पैदा करती है। जीएसटी सुधार का सबसे बड़ा असर यही होगा कि यह आर्थिक गतिविधियों को नये पंख देगा और इससे भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्थ बन सकेगा।

किसी भी लोकतांत्रिक शासन का मूल्यांकन इस बात से होता है कि वह अपने नागरिकों के हितों को किस हद तक प्राथमिकता देता है। मोदी सरकार ने जीएसटी सुधार के जरिए यह स्पष्ट किया है कि उनकी नीतियाँ महज आँकड़ों का खेल नहीं, बल्कि जनजीवन को आसान बनाने की कोशिश हैं। यह सुधार जनता को केवल आर्थिक ही नहीं, बल्कि मानसिक राहत भी देता है। हालाँकि सुधार के साथ चुनौतियाँ भी कम नहीं हैं। राज्यों को राजस्व हानि की भरपाई, छोटे कारोबारियों को नई व्यवस्था में सहज बनाना और कर-प्रशासन में पारदर्शिता बनाए रखना, ये सब गंभीर प्रश्न हैं। लेकिन यदि इन्हें दूर किया गया तो यह सुधार भारत को एक मजबूत, पारदर्शी और विकासोन्मुख अर्थव्यवस्था की ओर ले जाएगा। जीएसटी सुधार को जनता के लिए एक 'उपहार' कहना गलत नहीं होगा। यह केवल कराधान का बदलाव नहीं, बल्कि जनता के जीवन स्तर को बेहतर बनाने की पहल है। यह निर्णय बताता है कि शासन की नीतियाँ केवल सत्ता चलाने के लिए नहीं, बल्कि जनता को राहत देने और देश को विकास की राह पर तेजी से आगे बढ़ाने के लिए बनाई गई हैं। लेकिन यहां यह देखना ज्यादा जरूरी है कि इस बदलाव से वास्तव में आम उपभोक्ता को कितना फायदा होता है।

दूसरों पर अगर तब्सिरा कीजिए सामने आइना रख लिया कीजिए

कुमार कृष्णन

दूसरों पर अगर तब्सिरा कीजिए सामने आइना रख लिया कीजिए- ये पंक्तियां खुमार बाराबंकवी की है। जो हर किसी के लिए प्रासंगिक है। राजनीति में भी।

राजनीति में गाली-गलौच के लिए कोई स्थान नहीं होता क्योंकि इसकी मार्फत लोकतन्त्र में आम जनता अपने अधिकारों के लिए लड़ती है। यह लड़ाई पूर्णतः वैचारिक आधार पर होती है अतः जब भी राजनीति में भाषा का स्तर गाली पर उतर आता है तो उसे वैचारिक खोखलेपन का सबूत माना जाता है। वैचारिक खोखलापन राजनीति में तब भी माना जाता है जब नीतिगत सिद्धान्तों के स्थान पर व्यक्तिगत आलोचना होने लगती है। प्रख्यात समाजवादी चिन्तक डॉ. राम मनोहर लोहिया कहा करते थे कि राजनीति में जब वैचारिक स्तर पर खोखलापन शुरू होता है तो व्यक्तिगत आलोचना शुरू होती है और यह चरित्र हत्या तक पहुंच जाती है। मगर भारत में पिछले दो दशक से राजनीति का स्तर लगातार गिरता जा रहा है जिसके लिए सत्ता व विपक्ष दोनों ही जिम्मेदार हैं।

यहां पर महात्मा बुद्ध का प्रसंग याद आता है एक बार एक आदमी गौतम बुद्ध के पास गया।उनको बहुत गालियां दीं। जब गाली देने वाला थककर शांत हो गया तो बुद्ध ने पूछा कि अगर तुम मुझे कुछ सामान दो और मैं उसे ना लूं तो क्या होगा।उस आदमी ने कहा कि वो सामान मेरे पास रह जाएगा।बुद्ध ने कहा कि मैंने तुम्हारी गाली ग्रहण नहीं की। बुद्ध में करुणा थी।राजनीति को मानव विकास से जोड़ना है तो उसमें भी करुणा होनी चाहिए।लेकिन सत्ता के बाजार में बिठा दी गई आज की राजनीति करुणा, संवेदना और संयम की परिभाषा नहीं समझती। आज गाली पर राजनीति हो रही है। बिहार सत्तारूढ़ दल इसका फायदा चुनाव में उठाना चाह रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने बिहार बंद केराजधानी पटना समेत प्रदेशभर के अलग-अलग हिस्सों में प्रदर्शन किए गए। इस दौरान, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिग्गज नेता भी सड़कों पर उतरे।

पटना में भाजपा और जदयू कार्यकर्ताओं ने शहर भर के प्रमुख चौराहों पर विरोध प्रदर्शन किया। इसमें भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद और पार्टी के दिग्गज नेता संजय मयूख ने हिस्सा लिया। प्रधानमंत्री के खिलाफ विपक्ष की टिप्पणी की निंदा करते हुए रविशंकर प्रसाद ने कहा, इतनी बेशर्मी क्यों है? क्या आप प्रधानमंत्री के खिलाफ टिप्पणी करते हैं और आपके मुंह से एक भी शब्द नहीं निकलता है?

रविशंकर प्रसाद ने कहा कि अगर हमारा कार्यकर्ता होता तो हम कार्रवाई करते हुए माफी मांगते।

रविशंकर प्रसाद ने तेजस्वी यादव की टिप्पणी पर भी जवाब दिया, जिसमें राजद नेता ने कहा कि उनकी मां (राबड़ी देवी) के लिए भी अपशब्दों का इस्तेमाल हुआ था। भाजपा सांसद ने कहा, उनकी मां पूर्व मुख्यमंत्री हैं। वो पॉलिटिकल बात है। क्या हम भी गिनाएं कि राहुल गांधी और विपक्ष के लोगों ने 100 से अधिक बार प्रधानमंत्री के लिए आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया?पटना के आयकर गोलंबर के पास हाथों में झंडा लेकर भाजपा महिला मोर्चा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता सड़क पर उतर आईं और लोगों से आज के बंद का समर्थन करने की बात कही। इन महिला कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राजद नेता तेजस्वी यादव के विरोध में जमकर नारे लगाए। बड़ी संख्या में बैनर और पोस्टर लेकर पहुंची प्रदर्शनकारी महिला कार्यकर्ता बीच सड़क पर ही बैठ गईं। कई भाजपा कार्यकर्ता भी इनके समर्थन में सड़कों पर उतर गए हैं।

भाजपा के कार्यकर्ताओं ने भी बीच सड़क पर हाथों में पोस्टर लेकर खूब नारे लगाए। बंद को लेकर सुरक्षा के भी पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। बंद के मद्देनजर कई निजी स्कूलों ने पहले ही छुट्टी की घोषणा कर रखी है। इसके अलावा कई जिलों में भी एनडीए की महिला कार्यकर्ता बंद को सफल बनाने के लिए सड़कों पर उतर गई हैं। दरभंगा में भी एनडीए संयुक्त महिला मोर्चा के 5 घंटे के बिहार बंद का असर दिखा।

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी को एक बड़ा मुद्दा मिल गया है।मां को भगवान का स्?थान देने वाले देश में किसी की मां को गाली देना मुद्दा तो बनता ही है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिवंगत मां को सार्वजनिक रूप से गाली देना का मुद्दा अब बिहार चुनाव तक गूंजता नजर आ सकता है भाजपा के इस मुद्दे को लेकर इरादे साफ नजर आ रहे हैं।

पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव ने ने कहा कि प्रधानमंत्री को जिस मंच से गाली दी गई।वो राहुल गांधी का मंच नहीं है।वो प्लांटेड आदमी था, जिसने गाली दी है।

प्रधानमंत्री मोदी को मां की गाली पर भाजपा के बिहार बंद पर राजद नेता तेजस्वी यादव ने पलटवार करते हुए कहा कि मां तो मां होती है। मां शब्द जुबान पर आते ही कितना सुकून मिलता है। जो बेजुबान है मां तो उनकी भी होती है। किसी को भी किसी की भी मां-बहन-बेटी के प्रति अपशब्द नहीं बोलना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने पीएम मोदी पर तंज कसते हुए बीजेपी से कई सवाल किए?

उन्होंने कहा कि महिलाओं और लड़कियों से बलात्कार करने वाले प्रज्वल रेवन्ना का प्रचार कर उसे जिताने की अपील करें तो वह मोदी जी का मास्टर स्ट्रोक। मोदी जी किसी की माँ को 50 करोड़ की गर्लफ्रेंड बोले तो वाह मोदी जी वाह!, मोदी जी देश के लिए शहादत दे चुके साहसी प्रधानमंत्री की पत्नी और नेता प्रतिपक्ष की मां को विधवा और जर्सी गाय बोले तो बेशर्म लोग कहेंगे कि मोदी जी ने शानदार भाषण दिया है।मोदी जी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पैदाइश पर यह कहते हुए सवाल उठाये कि इनका डीएनए ही ख़राब है। अर्थात् इनका खून ही ख़राब और ग़लत है तो वह सही है? जेडीयू के लोग बताए जो नख और बाल काट प्रधानमंत्री को भेजे थे उनकी रिपोर्ट आ गई है क्या? मोदी जी के सचेतक ने अभी कुछ दिन पहले बिहार विधानसभा में मेरी मां को गाली दी तो मोदी जी ने उसकी पीठ थपथपाई। फिर वो कहे कि मोदी महान!, एक बीजेपी नेता ने हमारी प्रवक्ता को साड़ी-साया खोल सरेआम सड़क पर बलात्कार की धमकी दें तो मोदी जी उसे सम्मानित करते हुए अपने जहाज़ तक बुलाते है।

राकेश कुमार मंडल और संजय पोद्दार ने भाजपा पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि जब दूसरों की मां और बहनों को अपमानजनक शब्दों से नवाजा गया, तब भाजपा के नेताओं को कोई संवेदना नहीं हुई।उन्होंने कहा कि आज जब खुद के खिलाफ कुछ कहा गया तो अचानक भावनात्मकता जाग उठी।लोकतंत्र में सहमति-असहमति एक जरूरी प्रक्रिया है। मगर इस क्रम में कोई भी नेता अगर किसी के खिलाफ अभद्र और अशिष्ट शब्द या लहजे का प्रयोग करता है, तो यह राजनीति में गिरावट का ही संकेत है।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी डालनवाला थाने में स्थापित 13 लॉन्ग रेंज आधुनिक सायरनों का किया लोकार्पण

पथ प्रवाह, देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को थाना डालनवाला, देहरादून परिसर में स्थापित 13 लॉन्ग रेंज आधुनिक सायरनों का विधिवत लोकार्पण किया। यह पहल राज्य की आपदा प्रबंधन क्षमता को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि उत्तराखण्ड एक आपदा संभावित राज्य है, जहां भूस्खलन, बादल फटना, बाढ़ और भूकंप जैसी आपदाएं समय-समय पर चुनौतियां पेश करती हैं। ऐसे में समय पर चेतावनी और सूचना प्रसारण बेहद जरूरी हो जाता है। इस दृष्टि से ये सायरन प्रणाली जनजीवन की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि 8 किलोमीटर और 16 किलोमीटर की रेंज वाले ये सायरन न केवल प्राकृतिक आपदाओं के समय अलर्ट करेंगे, बल्कि नागरिक सुरक्षा की दृष्टि से भी बेहद उपयोगी होंगे। उन्होंने कहा कि समय रहते चेतावनी मिलने से जानमाल की हानि को कम करने के साथ राहत और बचाव कार्य अधिक प्रभावी ढंग से संचालित किए जा सकेंगे।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने निर्देश दिए कि इस प्रणाली का नियमित परीक्षण किया जाए और जनता को इसके बारे में जागरूक किया जाए ताकि आपातकालीन स्थिति में अधिकतम लाभ लिया जा सके। उन्होंने आपदा प्रबंधन और उत्तराखण्ड पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने डालनवाला थाने में स्थापित बाल थाने का निरीक्षण भी किया। कार्यक्रम के दौरान सेवानिवृत्त पुलिस कर्मियों, उत्तराखण्ड पीसीएस एसोसिएशन और उत्तराखण्ड पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष में सहायता राशि के चेक भेंट किए।

कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, सुबोध उनियाल, विधायक खजान दास, पुलिस महानिदेशक, आपदा प्रबंधन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, जिलाधिकारी देहरादून, स्थानीय जनप्रतिनिधि और अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी के चार साल- 25 हजार युवाओं को सरकारी नौकरी, नकल माफियाओं पर प्रहार

नवीन चौहान, पथ प्रवाह

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में पिछले चार वर्षों में उत्तराखंड के युवाओं को सबसे बड़ा लाभ मिला है। उत्तराखंड में करीब 25 हजार युवाओं को सरकारी सेवाओं में स्थायी नौकरी मिली है। शनिवार को भी जनजाति कल्याण विभाग के आश्रम पद्धति विद्यालयों में चयनित 15 सहायक अध्यापकों को मुख्यमंत्री ने नियुक्ति पत्र प्रदान किए।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने 4 जुलाई 2021 को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। तब से सरकार ने युवाओं को रोजगार और कौशल विकास उपलब्ध कराने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। लोक सेवा आयोग, अधीनस्थ सेवा चयन आयोग और चिकित्सा सेवा

चयन आयोग के जरिए अब तक 25 हजार से अधिक युवाओं को नौकरी मिल चुकी है। कई विभागों की भर्तियां अभी प्रक्रिया में हैं, जिससे यह आंकड़ा और बढ़ेगा।

विदेशों में रोजगार की राह

9 नवंबर 2022 को शुरू की गई मुख्यमंत्री कौशल उन्नयन एवं वैश्विक रोजगार योजना ने युवाओं के लिए नए अवसर खोले हैं। आतिथ्य, नर्सिंग और ऑटोमोबाइल जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण दिलाकर जर्मनी और जापान में रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। अब तक 154 युवाओं को प्रशिक्षित किया गया, जिनमें से 37 जापान में नौकरी पा चुके हैं।

नकल माफियाओं पर सख्त कार्रवाई

धामी सरकार ने 2024 में सख्त नकल विरोधी कानून लागू कर परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित की। इसके बाद किसी भी भर्ती परीक्षा का पेपर लीक नहीं हुआ। सरकार अब तक 100 से अधिक नकल माफियाओं को जेल भेज चुकी है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा, सरकार युवाओं को शिक्षा और कौशल के माध्यम से रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए संकल्पबद्ध है।

हमारा प्रयास है कि उत्तराखंड का पानी और जवानी, यहीं के काम आए। पलायन रुककर युवा खुद रोजगार देने वाले बनें।

24वीं अंतरजनपदीय जूडो क्लस्टर प्रतियोगिता-2025 का समापन

हरिद्वार। जनपद देहरादून पुलिस लाइन में आयोजित 24वीं अंतरजनपदीय/वहिनी पुलिस जूडो क्लस्टर प्रतियोगिता 2025 का सकुशल समापन हो गया है। प्रतियोगिता में हरिद्वार पुलिस के खिलाड़ियों द्वारा अपना शानदार प्रदर्शन करते हुए 02 गोल्ड मेडल के साथ कुल 05 पदक जीते। जिसमें जूडो में रवि कुमार और वीरेंद्र ने स्वर्ण पदक, वुशू में रविकांत ने कांस्य पदक, ताईक्वांडो में सुनील ने कांस्य पदक व पेंचक सिलाट में रवि ने रजत पदक जीता। प्रतियोगिता समाप्त होने पर मेडल के साथ हरिद्वार लौटे खिलाड़ी व कोच मुकेश नैनवाल व भूपेंद्र सिंह से एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल द्वारा अपने कैम्प कार्यालय में मुलाकात कर बधाई दी व भविष्य में होने वाली प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएँ दी। मेडल जीत कर लौटे तीन खिलाड़ी इस माह श्रीनगर ‍जम्मू कश्मीर में होने वाली अखिल भारतीय पुलिस खेल प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने 15 सहायक अध्यापकों को नियुक्ति पत्र, 15 करोड़ की योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास

पथ प्रवाह, देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को मुख्यमंत्री आवास स्थित मुख्य सेवक सदन में जनजाति कल्याण विभाग के अंतर्गत संचालित राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालयों में चयनित 15 सहायक अध्यापकों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस अवसर पर उन्होंने 15 करोड़ रुपये से अधिक लागत की विभिन्न विभागीय निर्माण योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास भी किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि ये परियोजनाएँ न केवल जनजातीय समाज की आधारभूत सुविधाओं को सशक्त बनाएंगी, बल्कि नागरिकों को बेहतर सुविधाएं भी उपलब्ध कराएंगी। उन्होंने चयनित युवा शिक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे नई पीढ़ी के समग्र विकास में अहम भूमिका निभाएंगे।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जनजातीय समाज के उत्थान के लिए कई ऐतिहासिक निर्णय लिए गए हैं। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाना इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारें केवल दिखावे के लिए आदिवासी समाज की बात करती थीं, जबकि आज केंद्र सरकार ने बजट तीन गुना बढ़ाकर एकलव्य मॉडल स्कूल, प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान, वन धन योजना और जनजातीय विकास मिशन जैसी योजनाएं धरातल पर लागू की हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने जानकारी दी कि प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान के अंतर्गत उत्तराखंड के 128 जनजातीय गांवों का चयन किया गया है। वर्तमान में कालसी, मेहरावना, बाजपुर और खटीमा में चार एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय संचालित हैं, जहां जनजातीय छात्रों को निःशुल्क शिक्षा और हॉस्टल सुविधा दी जा रही है। पिथौरागढ़ जनपद में भोटिया और राजी जनजाति के शैक्षिक उत्थान के लिए भी एकलव्य विद्यालय खोलने का प्रस्ताव केंद्र को भेजा गया है। राज्य सरकार की पहल का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि जनजातीय बच्चों को प्राइमरी से स्नातकोत्तर स्तर तक छात्रवृत्ति दी जा रही है। राज्य में 16 आश्रम पद्धति विद्यालय संचालित हैं, साथ ही तीन आईटीआई संस्थान तकनीकी शिक्षा उपलब्ध करा रहे हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए निःशुल्क कोचिंग व छात्रवृत्ति की व्यवस्था भी की गई है।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा से प्रेरणा लेकर उत्तराखंड सरकार सांस्कृतिक मूल्यों और जनजातीय परंपराओं के संरक्षण के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में धर्मांतरण विरोधी कानून लागू है और 9 हजार एकड़ से अधिक सरकारी भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया है। साथ ही, समान नागरिक संहिता को लागू करने वाला उत्तराखंड पहला राज्य है, हालांकि जनजातियों की परंपराओं को संरक्षित रखने के लिए उन्हें इस कानून से बाहर रखा गया है।

इस मौके पर मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने जनजातीय शोध संस्थान में सौंदर्यीकरण, बालिकाओं के लिए हाईटेक शौचालय ब्लॉक और आदि लक्ष्य संस्थान में डाइनिंग हॉल के निर्माण की घोषणा की।

कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, विधायक खजान दास, उमेश शर्मा काऊ, सविता कपूर, दलीप सिंह रावत, प्रमोद नैनवाल, जनजाति आयोग अध्यक्ष लीलावती राणा, समाज कल्याण सचिव श्रीधर बाबू अद्दांकी, जनजाति कल्याण निदेशक संजय टोलिया, समाज कल्याण निदेशक चंद्र सिंह धर्मशक्तू सहित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

उत्तरकाशी जिला पंचायत की पहली बैठक, अध्यक्ष ने अधिकारियों से संवाद पर दिया जोर, डीएम बोले पक्ष-विपक्ष से ऊपर है जनहित

संवाददाता ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

उत्तरकाशी। नव निर्वाचित जिला पंचायत अध्यक्ष रमेश चौहान की अध्यक्षता एवं जिलाधिकारी प्रशांत आर्य की उपस्थिति में शनिवार को जिला पंचायत की प्रथम बैठक जिला पंचायत सभागार में आयोजित हुई। बैठक में नव निर्वाचित सदस्यों के साथ-साथ विभिन्न विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहे। प्रारंभ में परिचय सत्र हुआ, जिसमें सभी सदस्यों एवं अधिकारियों ने एक-दूसरे से औपचारिक परिचय साझा किया। इसके साथ ही जनपद में चल रहे विकास कार्यों एवं विभिन्न योजनाओं की स्थिति पर विस्तार से जानकारी दी गई। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने सभी नव निर्वाचित सदस्यों को संवैधानिक व्यवस्था में स्वागत करते हुए उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि जब आप निर्वाचित होकर संवैधानिक व्यवस्था से जुड़ते हैं तो पक्ष और विपक्ष का भेद समाप्त हो जाता है। जनता ने जिस विश्वास के साथ आपको चुना है, उस पर खरा उतरना सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। जिलाधिकारी ने कहा कि जनहित सर्वोपरि होना चाहिए और प्रत्येक सदस्य को केवल अपने क्षेत्र तक सीमित न रहकर पूरे जिले के समावेशी विकास में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने सभी को समान व्यवहार और पारदर्शिता के साथ जनसमस्याओं के समाधान हेतु कार्य करने की अपील की। इस दौरान जिलाधिकारी ने जिला पंचायत की विभिन्न समितियों के गठन के भी निर्देश दिए, ताकि योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में तेजी लाई जा सके।

बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष रमेश चौहान ने उपस्थित अधिकारियों और सदस्यों का आभार जताया। उन्होंने जनपद की भौगोलिक स्थिति एवं आपदा की दृष्टि से संवेदनशीलता का उल्लेख करते हुए कहा कि जनता की समस्याओं के समाधान के लिए जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के बीच नियमित संवाद स्थापित किया जाना आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय बनाकर कार्य करें और जनता को राहत देने के लिए संवेदनशील रवैया अपनाएं।

बैठक में जिला पंचायत उपाध्यक्ष अंशिका जगूड़ी, नव निर्वाचित जिला पंचायत सदस्यगण, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. बी.एस. रावत, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. पी.एस. पोखरियाल, परियोजना निदेशक अजय सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी सुधीर जोशी सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

उत्तरकाशी: काशी विश्वनाथ मंदिर में 17-19 सितम्बर को लघु रुद्र यज्ञ एवं अखंड रामायण पाठ का भव्य आयोजन

पथ प्रवाह, संवाददाता- ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

उत्तरकाशी। प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित देवभूमि उत्तराखंड और देश-दुनिया के सुख-शांति एवं कल्याण की कामना के लिए उत्तरकाशी का प्राचीन काशी विश्वनाथ मंदिर एक बार फिर धार्मिक और आध्यात्मिक आयोजन का केंद्र बनने जा रहा है।

अष्टादश महापुराण समिति ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया है कि 17 से 19 सितम्बर 2025 तक मंदिर परिसर में लघु रुद्र यज्ञ और अखंड रामायण पाठ का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान धराली और अन्य प्रभावित क्षेत्रों में आई विनाशकारी आपदाओं में मृत आत्माओं की शांति के लिए विशेष आहुतियाँ अर्पित की जाएंगी। समिति अध्यक्ष हरि सिंह राणा ने बताया कि यह आयोजन न केवल विश्व शांति और आपदाओं से सुरक्षा हेतु भगवान विश्वनाथ से प्रार्थना है, बल्कि आपदा पीड़ितों की आत्मा की शांति का सामूहिक प्रयास भी है।

महामंत्री पं. रामगोपाल पैन्यूली ने कहा कि लघु रुद्र यज्ञ से समस्त दुखों का नाश होता है और विश्व कल्याण की प्राप्ति होती है। संस्कृत महाविद्यालय प्रबंधन समिति के संरक्षक पं. डॉ. राधेश्याम खंडूड़ी ने बताया कि अखंड रामायण पाठ जीवन में ज्ञान, भक्ति और सत्कर्म अपनाने की प्रेरणा देता है तथा प्रभु श्रीराम नाम की स्तुति से मृत आत्माओं को मोक्ष की प्राप्ति होती है। आयोजन 17 से 19 सितम्बर तक अश्विन संक्रांति के एकादश ब्राह्मणों द्वारा लघु रुद्र यज्ञ एवं 18 से 19 सितम्बर तक अखंड रामायण पाठ के रूप में संपन्न होगा। समिति के संयोजक प्रेम सिंह पंवार ने बताया कि तैयारियों की समीक्षा बैठक 12 सितम्बर को आयोजित की जाएगी, जिसमें अन्य आयोजन समितियों का गठन भी किया जाएगा।

इस अवसर पर मंदिर के महंत अजय पुरी, समिति सदस्य रामकृष्ण नौटियाल, जीतवर सिंह नेगी, अरविंद कुड़ियाल, रविन्द्र नौटियाल, राजेन्द्र सिंह रावत, नत्थी सिंह रावत, प्रभावती गौड़, सुधा गुप्ता, किरन पंवार, राजेन्द्र सिंह पंवार, प्रथम सिंह वर्तवाल, डॉ. शम्भू प्रसाद नौटियाल, डॉ. मुकेश नौटियाल, वृजमोहन भट्ट सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

नौगांव में बादल फटा, देवलसारी खड्ड उफान पर, सेब बागान और कृषि भूमि तबाह

पथ प्रवाह, संवाददाता - ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

उत्तरकाशी। जिले के नौगांव क्षेत्र में शनिवार शाम बादल फटने की घटना ने भारी तबाही मचाई। अचानक हुई तेज बारिश से देवलसारी खड्ड, नौगांव गदेरे, मुराड़ी खड्ड, शौली खड्ड और नौगांव मार्केट खड्ड उफान पर आ गए। ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई और लोग अपनी जान बचाने के लिए सुरक्षित स्थानों की ओर भागने लगे। तेज बहाव में सेब के बागान और कृषि भूमि बर्बाद हो गई। कई जगह खेत मलबे में दब गए, जबकि पानी की तेज धार में बाइक और स्कूटियां बह गईं। देवलसारी खड्ड में एक मकान मलबे में दब गया, हालांकि गनीमत रही कि परिवार के सभी सदस्य समय रहते बाहर निकल आए।

मुख्यमंत्री का संज्ञान, प्रशासन अलर्ट

घटना की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जिलाधिकारी से संपर्क साधा और राहत-बचाव कार्य तेज करने के निर्देश दिए। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि प्रभावितों को हरसंभव सहायता दी जाएगी और किसी भी परिवार को असहाय नहीं छोड़ा जाएगा। मुख्यमंत्री के निर्देश पर जिला प्रशासन सक्रिय हो गया है। एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, पुलिस और फायर टीमों को मौके पर भेजा गया। प्रभावित ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया जा रहा है।

डीएम के निर्देश

जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने राजस्व विभाग की टीम और आपदा प्रबंधन दलों को तुरंत घटनास्थल पर भेजा। पीडब्ल्यूडी को मलबे से अवरुद्ध सड़कों को दुरुस्त करने और प्रभावित परिवारों को सुरक्षित ठहराने के आदेश दिए।

उत्तरकाशी में शिक्षक दिवस पर मौन जुलूस, पदोन्नति-स्थानांतरण लंबित होने और सीधी भर्ती पर जताई नाराज़गी

ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

उत्तरकाशी। शिक्षक दिवस पर जहां पूरे प्रदेश में गुरु-शिष्य परंपरा का उत्सव मनाया जा रहा था, वहीं उत्तराखंड के सरकारी शिक्षक इस दिन भी अपनी लंबित मांगों को लेकर सड़क पर उतरने को विवश दिखे। राजकीय शिक्षक संघ उत्तराखंड की जिला इकाई उत्तरकाशी के बैनर तले शुक्रवार को सैकड़ों शिक्षकों ने मौन जुलूस और कैंडल मार्च निकालकर सरकार और विभाग के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया।

शिक्षकों ने कहा कि विगत आठ वर्षों से पदोन्नति की प्रक्रिया ठप है। शासन-प्रशासन की उपेक्षा के कारण प्रकरण लगातार लटके हुए हैं। उनकी प्रमुख मांग है कि प्रधानाचार्य पद पर सीधी भर्ती निरस्त की जाए, योग्य शिक्षकों की पदोन्नतियां शीघ्र की जाएं तथा लंबित स्थानांतरण आदेशों को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अतोल महर ने कहा शिक्षक समाज की रीढ़ हैं, लेकिन आठ साल से पदोन्नति रोककर सरकार ने शिक्षकों का मनोबल तोड़ने का काम किया है। अब शिक्षक चुप नहीं बैठेंगे।

संघ पदाधिकारियों ने बताया कि शिक्षक दो वर्षों से सांकेतिक आंदोलन कर रहे हैं और 18 अगस्त से आंदोलन और तेज हुआ है। लेकिन शांतिपूर्ण विरोध को दबाने और शिक्षकों को डराने-धमकाने के प्रयास हो रहे हैं। जिला मंत्री बलवंत असवाल ने कहा कि यहां तक कि माननीय न्यायालय ने भी शिक्षकों की पदोन्नति और स्थानांतरण न होने पर चिंता जताई, बावजूद इसके शासन और प्रशासन उदासीन बने हुए हैं। जब न्यायालय भी इस पर चिंता जता चुका है तो शासन-प्रशासन को तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। शिक्षा विभाग की उपेक्षा अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

शाम छह बजे विश्वनाथ चौक से शुरू हुआ कैंडल मार्च विश्वनाथ मंदिर, कोर्ट रोड, काली कमली, पेट्रोल पंप, मेन मार्केट और किरण स्वीट शॉप से होता हुआ श्रीदेव सुमन स्थल पर जाकर संपन्न हुआ। पूरे मार्ग में शिक्षक मौन रहकर हाथों में मोमबत्तियां लिए अपनी मांगों का समर्थन करते रहे। शिक्षक संघ ब्लॉक अध्यक्ष मनोज पाल सिंह परमार ने कहा कि शिक्षक दिवस जैसे पवित्र दिन पर हमें मौन जुलूस निकालना पड़ रहा है, यह सरकार की संवेदनहीनता को दर्शाता है। यदि हमारी पदोन्नति, स्थानांतरण और सीधी भर्ती निरस्तीकरण की मांगें समय रहते मान ली जातीं तो आज यह स्थिति नहीं बनती। इस मौन जुलूस में महेश उनियाल, दीपक सेमवाल, वीरेंद्र नौटियाल, गुलाब सिंह पडियार, अपर्णा जुयाल, अरविंद भट्ट, सूर्य प्रकाश अवस्थी, सुनील सेमवाल, गिरीश असवाल सहित बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं शामिल हुए। शिक्षकों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर तत्काल कार्यवाही नहीं हुई तो आंदोलन को राज्यव्यापी रूप दिया जाएगा।

एनीमिया मुक्त भारत अभियान नौगांव में 40 निजी विद्यालयों के शिक्षकों को मिला प्रशिक्षण, बच्चों को दी जाएंगी आयरन की गोलियां

ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

उत्तरकाशी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम को गति देने के लिए शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नौगांव में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण केंद्र प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. रोहित भंडारी के नेतृत्व में हुआ, जिसमें नौगांव क्षेत्र के निजी विद्यालयों के 40 अध्यापकों ने प्रतिभाग किया।

प्रशिक्षण के दौरान प्रभारी चिकित्सा अधिकारी ने विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि विद्यालयों में अध्ययनरत 05 से 18 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों को नियमित रूप से आयरन की गोली खिलाई जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि 05 से 10 वर्ष तक के बच्चों को गुलाबी (पिंक) रंग की गोली दी जाएगी, जबकि 11 से 18 वर्ष के बच्चों को नीली गोली खिलाई जाएगी। डॉ. भंडारी ने बताया कि आयरन की गोली बच्चों में खून की कमी (एनीमिया) की समस्या को दूर करने में सहायक है। इसके सेवन से बच्चों की शारीरिक और मानसिक विकास प्रक्रिया मजबूत होती है, उनकी पढ़ाई में एकाग्रता बढ़ती है तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बेहतर होती है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की सक्रिय भूमिका इस कार्यक्रम की सफलता के लिए सबसे महत्वपूर्ण है क्योंकि वे सीधे बच्चों से जुड़े रहते हैं। इस अवसर पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे शिक्षकों को यह भी बताया गया कि गोली खिलाने के दौरान बच्चों को पानी पिलाने तथा किसी प्रकार की दिक्कत आने पर तुरंत स्वास्थ्य विभाग से संपर्क करने की व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी। कार्यक्रम में डॉ. योगेश, डॉ. दीपेंद्र भंडारी, धर्मेंद्र चौहान, शुभम एवं अरुण समेत अन्य स्वास्थ्यकर्मी भी मौजूद रहे। सभी ने एनीमिया मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया।

एक नजर

एक घंटे में पिथौरागढ़ पुलिस ने ढूंढ निकाली 5 वर्षीय बालिका

पथ प्रवाह, संवाददाता - जीवन सिंह बोहरा, पिथौरागढ़

पिथौरागढ़। शनिवार को ढूंगातोली निवासी गोविन्द प्रसाद की 5 वर्षीय बेटी अचानक एसबीआई बैंक के सामने से लापता हो गई। घबराए परिजनों ने तुरंत कोतवाली पिथौरागढ़ में इसकी सूचना दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रभारी निरीक्षक कोतवाली ललित मोहन जोशी के नेतृत्व में उपनिरीक्षक कमलेश जोशी, उपनिरीक्षक बबीता टम्टा, हेड कॉन्स्टेबल कमल बोहरा और महिला कॉन्स्टेबल सरोजनी की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बाजार क्षेत्र में सघन खोजबीन शुरू की। पुलिस टीम के अथक प्रयासों से मात्र एक घंटे में ही बालिका को सकुशल बरामद कर लिया गया और उसे उसके परिजनों के हवाले कर दिया गया। पुलिस की इस तत्परता पर स्थानीय लोगों ने भी राहत की सांस ली।

गोपेश्वर की सुरभि खनेड़ा को मिला तीलू रौतेली सम्मान

साहित्य, कला और संस्कृति के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान पर सम्मानित

पथ प्रवाह, संवाददाता - संदीप बर्तवाल, चमोली गोपेश्वर। नेगवाड़ निवासी युवा कवयित्री सुरभि खनेड़ा को इस वर्ष का तीलू रौतेली सम्मान प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्य ने उन्हें साहित्यिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य हेतु सम्मानित किया। सुरभि खनेड़ा वर्तमान में बुलंदी साहित्यिक सेवा समिति की गढ़वाल मंडल प्रभारी हैं। संस्था के माध्यम से वे साहित्य, कला और संस्कृति के उत्थान के लिए लगातार कार्य कर रही हैं। बुलंदी संस्था अब तक दुनिया का सबसे बड़ा कवि सम्मेलन आयोजित कर तीन बार विश्व कीर्तिमान बना चुकी है। सुरभि की इस उपलब्धि पर बुलंदी संस्था के पदाधिकारियों सहित पूरे क्षेत्र में हर्ष की लहर है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह सम्मान सुरभि के समर्पण और मेहनत की सच्ची पहचान है।

चिन्तन शिविर-2025 की तैयारियों को लेकर बैठक सम्पन्न

तीन दिवसीय शिविर में सामाजिक-आर्थिक प्रगति व भविष्य की रणनीति पर होगा मंथन

पथ प्रवाह, संवाददाता - जीवन सिंह बोहरा, पिथौरागढ/पिथौरागढ़। आगामी 11 से 13 सितम्बर 2025 तक मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में आयोजित होने वाले चिन्तन शिविर-2025 की तैयारियों को लेकर शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी विनोद गोस्वामी की अध्यक्षता में आवश्यक बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने बताया कि तीन दिवसीय शिविर का आयोजन उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल में होगा। शिविर का मुख्य विषय ÷सामाजिक-आर्थिक प्रगति और भविष्य के लक्ष्य÷ निर्धारित किया गया है। इसके तहत अगले पाँच वर्षों के लिए अल्पकालिक (0-6 माह), मध्यकालिक (6 माह-2 वर्ष) और दीर्घकालिक (2-5 वर्ष) रोडमैप एवं कार्ययोजना तैयार की जाएगी।

पाँच प्रमुख थीम्स पर होगा मंथन

1. शहरों का रूपांतरण = गतिशीलता, शासन और सतत जीवन।

2. ग्रामीण उद्यमिता एवं प्रतिवर्ती प्रवास = प्राथमिक क्षेत्र में हस्तक्षेप।

3. पर्यटन और स्वास्थ्य।

4. युवा जुड़ाव, कौशल विकास एवं रोजगारपरकता।

5. सतत प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन।

इसके साथ ही, जनपद के जिला घरेलू उत्पाद को पाँच वर्षों में दोगुना करने, अधिक रोजगार सृजन, कृषकों की आय वृद्धि तथा समावेशी विकास हेतु रणनीति प्रस्तुत की जाएगी।

जिलाधिकारी के निर्देश

जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि उपरोक्त विषयों पर वर्तमान स्थिति, आगामी रोडमैप और ठोस कार्ययोजना का विस्तृत प्रस्तुतीकरण तैयार करें। उन्होंने वन एवं पर्यटन विभाग को उच्च हिमालयी क्षेत्रों में 10-15 ट्रैक रूट पर भोजपत्र के वृक्ष विकसित करने तथा सभी विभागों को शहर को स्मार्ट और विकसित बनाने की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी योगेन्द्र सिंह, परियोजना निदेशक ग्राम्य विकास आशीष पुनेठा, डीडीओ रमा गोस्वामी, उप प्रभागीय वनाधिकारी राजकुमार, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी निरंजन प्रसाद सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

विशेष प्रमुख सचिव (खेल) ने किया वल्दिया स्पोर्ट्स स्टेडियम और हरि सिंह थापा स्पोर्ट्स कॉलेज का निरीक्षण

खिलाड़ियों को लक्ष्य निर्धारित कर तैयारी करने की दी सीख

पथ प्रवाह, संवाददाता - जीवन सिंह बोहरा, पिथौरागढ़

पिथौरागढ़। शनिवार को जनपद के एक दिवसीय भ्रमण पर पहुंचे विशेष प्रमुख सचिव (खेल) उत्तराखण्ड शासन अमित कुमार सिन्हा ने सुरेन्द्र सिंह वल्दिया स्पोर्ट्स स्टेडियम पिथौरागढ़ और हरि सिंह थापा स्पोर्ट्स कॉलेज, लेलू का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने खेल विभाग की गतिविधियों की समीक्षा की और खिलाड़ियों व प्रशिक्षकों से संवाद किया।

स्टेडियम में जिला क्रीड़ा अधिकारी अनूप बिष्ट ने विशेष प्रमुख सचिव का पुष्पगुच्छ और पौधा भेंटकर स्वागत किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने खेल प्रशिक्षकों, विभागीय कार्मिकों और छात्रावास की बालिकाओं से परिचय प्राप्त किया।

खिलाड़ियों से सीधा संवाद

निरीक्षण के बाद विशेष प्रमुख सचिव ने समीक्षा बैठक में प्रत्येक खेल के प्रशिक्षकों से वार्ता की और पंजीकृत खिलाड़ियों, उनकी उपलब्धियों और भविष्य की संभावनाओं की जानकारी ली। उन्होंने प्रशिक्षकों को आधुनिक खेल उपकरणों के प्रयोग से तकनीकी प्रशिक्षण देकर खिलाड़ियों को राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय और ओलंपिक स्तर तक तैयार करने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने देवसिंह मैदान और फिर हरि सिंह थापा स्पोर्ट्स कॉलेज, लेलू का स्थलीय निरीक्षण किया। यहां उन्होंने एथलेटिक्स, बॉक्सिंग और फुटबॉल खेलों में प्रशिक्षण ले रहे खिलाड़ियों से संवाद किया। खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जीवन में एक लक्ष्य निर्धारित करें और उसी दिशा में पूरी निष्ठा से तैयारी करें।

अवस्थापना सुविधाओं की समीक्षा

निरीक्षण के दौरान उन्होंने कॉलेज में उपलब्ध उपकरणों के प्रभावी उपयोग, बहुउद्देशीय क्रीड़ा हॉल में फ्लोर मैटिंग कराने तथा राष्ट्रीय बॉक्सिंग आयोजन स्थल, निर्माणाधीन सिंथेटिक एथलेटिक्स ट्रैक और प्रस्तावित छात्रावास भूमि का निरीक्षण किया। कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य रविन्द्र सिंह ने उन्हें कॉलेज की गतिविधियों और खिलाड़ियों की प्रगति से अवगत कराया। विशेष प्रमुख सचिव ने जिले में खेलों को प्रोत्साहन देने के प्रयासों और खिलाड़ियों की उपलब्धियों पर संतोष व्यक्त किया।

मौजूद रहे इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक रेखा यादव, उप क्रीड़ाधिकारी प्रताप सिंह, रविन्द्र सिंह, देवी चंद, राजेन्द्र सिंह जेठी, जर्नादन सिंह वल्दिया, मनोज कुमार पुनेठा, ललित मोहन जोशी, गोपेश पाण्डेय, दीप चन्द्र जोशी, अजय पल्याल, निखिल महर, चन्द्र सिंह धामी, प्रशान्त सिंह भैसोड़ा, भूपेश बिष्ट, देशरत्न बोहरा, नरेन्द्र भण्डारी, जगदीश कसन्याल, विशाल नगरकोटी, मुकुल चन्द्र पाठक, मनोज रावत, भावेश भट्ट, सुनीता मेहता, नेहा धौनी सहित बड़ी संख्या में खेल विभाग के अधिकारी और प्रशिक्षक मौजूद रहे।

एक नजर

हाईवे पर 6 गायों की मौत, 7 घायल

ग्वालियर। ग्वालियर-भिंड हाईवे पर एक कंटेनर (ट्रक) की चपेट में आकर एक दर्जन से ज्यादा गायों की मौत हो गई है। यह गाय बारिश के चलते सडक़ों पर बैठी थीं। कंटेनर चालक ने लापरवाही से चलाते हुए गायों को रौंद दिया। ग्वालियर के महाराजपुरा थाना की सीमा पर 6 गाय की मौत और सात गाय के घायल होने की पुष्टि हुई है। जबकि छह गाय भिंड के मालनपुर थाना की सीमा में मृत होने की खबर है। ग्वालियर में राहगीरों ने कंटेनर चालक को भागने से पहले पकड़ लिया और जमकर पीटा है। घटना शुक्रवार रात की है। महाराजपुरा पुलिस ने मामला दर्ज किया है, लेकिन मालनपुर पुलिस ने कोई एक्शन नहीं लिया है।

राशिद इंजीनियर पर तिहाड़ में हमला

नई दिल्ली। जम्मू कश्मीर के बारामुला से लोकसभा सांसद राशिद इंजीनियर पर दिल्ली की तिहाड़ जेल में हमला हुआ। उन पर एक ट्रांसजेंडर ने हमला तब किया जब वे अपनी बैरक में थे। जेल अधिकारियों ने बताया कि राशिद को मामूली चोटें आईं। वे सुरक्षित हैं। उधर, राशिद की पार्टी अवामी इत्तेहाद ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर हमले की निंदा की। कहा कि ये राशिद को जेल के अंदर मारने की साजिश है। एक पैटर्न के तहत जेल के अंदर कश्मीरी कैदियों पर हमला हो रहा है। इससे पहले भी कई कश्मीरियों पर जेल के अंदर हमला हुआ। जेल अधिकारियों ने इन दावों का खंडन किया।

लाल किला से 1 करोड़ के कलश चोरी

नई दिल्ली(ईएमएसा)। दिल्ली के लाल किला परिसर में जैन धार्मिक आयोजन के दौरान दो स्वर्ण कलश और 1.5 करोड़ रुपए के सामान चोरी हो गए। घटना 3 सितंबर की है। इसका सीसीटीवी शनिवार को सामने आया है। इसमें एक चोर जैन पुजारी के वेश में आया और कीमती सामान से भरा बैग लेकर चला गया। पुलिस ने कहा है कि संदिग्ध की पहचान कर ली गई है और उसे जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। एक स्वर्ण कलश पर लगभग 760 ग्राम का सोने का नारियल लगा था। 115 ग्राम के दूसरे कलश पर हीरे, पन्ने और माणिक जड़े थे। इन्हें जैन धर्म में पवित्र माना जाता है और ये अनुष्ठानों में काम आते हैं।

ब्लास्ट की धमकी देने वाला गिरफ्तार

नोएडा। मुंबई में गणेश उत्सव के बीच ब्लास्ट की धमकी देने वाले शख्स को उत्तर प्रदेश के नोएडा से शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया। 50 साल के आरोपी का नाम अश्विन कुमार सुप्रा है। बिहार के पटना का रहने वाला है और पिछले 5 साल से नोएडा में रह कर ज्योतिष और वास्तु शास्त्र का काम करता था। आरोपी ने गुरुवार देर रात मुंबई पुलिस को वॉट्सएप पर धमकी भरा मैसेज भेजा था। उसने लिखा था, लश्कर-ए-जिहादी के 14 आतंकी मुंबई में घुस चुके हैं। आतंकियों ने 400 किलो आरडीक्स 34 गाडियों में फिट कर दिया है। वे बड़ा ब्लास्ट करने वाले हैं, जिससे एक करोड़ लोगों की मौत हो सकती है।

पावागढ़ शक्तिपीठ में बड़ा हादसा

रोपवे टूटने से 6 की दर्दनाक मौत

पंचमहाल। गुजरात के पंचमहाल जिले में स्थित प्रसिद्ध शक्तिपीठ पावागढ़ में शनिवार दोपहर बड़ा हादसा हो गया। यहां मालवाहक रोपवे अचानक गिर गया, जिसमें छह लोगों की मौत हो गई। मृतकों में दो लिफ्टमैन, दो मजदूर और दो अन्य शामिल हैं। घटना की पुष्टि पंचमहाल कलेक्टर ने की है। बताया जा रहा है कि हादसा दोपहर करीब 3ः30 बजे रस्सी टूटने के कारण हुआ।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई। राहत और बचाव कार्य तुरंत शुरू कर दिया गया। हादसे के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल है। फिलहाल प्रशासन की टीम मौके पर मौजूद है और हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। पावागढ़ शक्तिपीठ गुजरात का प्रसिद्ध धार्मिक स्थल है, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु रोजाना दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

हादसे के बाद मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में शोक और दहशत का माहौल है। प्रशासन ने मृतकों के परिजनों को हर संभव सहायता देने का आश्वासन दिया है, जबकि तकनीकी जांच के बाद हादसे की वास्तविक वजह सामने आएगी।

श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय में 27 सितम्बर को छात्र संघ चुनाव

कुमाऊँ व सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय में भी एक साथ होंगे मतदान

पथ प्रवाह, संवाददाता - संदीप बर्तवाल, टिहरी गढ़वाल

टिहरी गढ़वाल। श्रीदेव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय में आगामी 27 सितम्बर 2025 को छात्र संघ चुनाव सम्पन्न कराए जाएंगे। इस संबंध में शनिवार को विश्वविद्यालय प्रशासन की महत्वपूर्ण बैठक मा0 कुलपति की अध्यक्षता में हुई, जिसमें चुनाव संबंधी तैयारियों की रूपरेखा तय की गई। बैठक में बताया गया कि विश्वविद्यालय के शैक्षणिक कैलेंडर 2025-26 के अनुसार सितम्बर माह के अंतिम सप्ताह में छात्र संघ चुनाव का प्रावधान है। राज्य सरकार के निर्णयानुसार तीनों राज्य विश्वविद्यालय–श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय टिहरी गढ़वाल, कुमाऊँ विश्वविद्यालय नैनीताल एवं सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय अल्मोड़ा–में एक ही दिन चुनाव होंगे। इसी क्रम में 27 सितम्बर को चुनाव की तिथि निश्चित की गई है। शांतिपूर्ण व निष्पक्ष चुनाव को लेकर बैठक में विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा हुई। उच्च शिक्षा निदेशालय के पत्र (संख्या-2450, दिनांक 13 अगस्त 2024) के अनुसार इस वर्ष कोषाध्यक्ष और सह-सचिव पद छात्राओं के लिए आरक्षित रहेंगे। भविष्य में यह आरक्षण चक्रानुक्रम से अलग-अलग पदों पर लागू किया जाएगा। बैठक में कुलसचिव दिनेश चन्द्रा, परिसर निदेशक प्रो. एम.एस. रावत, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. हेमलता मिश्रा, कला संकायाध्यक्ष प्रो. पी.के. सिंह, विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो. एस.पी. सती, वाणिज्य संकायाध्यक्ष प्रो. वी.पी. श्रीवास्तव, सहायक अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. प्रीति खण्डूड़ी, प्रो. वी.एन. गुप्ता एवं प्रो. वी.के. गुप्ता सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

आयुष एवं योग नीति 2025 के जरिए बढ़ेगा वैलनेस टूरिज्म, खुलेगी रोजगार की राह

पथ प्रवाह, संवाददाता, संदीप बर्तवाल- चमोली

कर्णप्रयाग। आयुष विभाग की ओर से शनिवार को आयुष नीति एवं योग नीति 2025 पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में होटल व्यवसायियों, होमस्टे संचालकों तथा योग एवं वैलनेस केंद्रों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

कार्यशाला का आयोजन जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. श्रवण कुमार त्रिपाठी के निर्देशानुसार किया गया। इस अवसर पर नोडल अधिकारी जिला आयुष मिशन डॉ. चंद्रावल्लभ पाटिल, डॉ. मनीष खंडूरी, डॉ. प्रीति वर्मा एवं डॉ. विमल बड़वाल ने विस्तृत जानकारी साझा की। विशेषज्ञों ने बताया कि आयुष चिकित्सा पद्धति, योग और प्राकृतिक चिकित्सा को पर्यटन व होटल व्यवसाय से जोड़कर चमोली सहित पूरे उत्तराखंड में वैलनेस टूरिज्म को बढ़ावा दिया जा सकता है। इससे न केवल पर्यटक आकर्षित होंगे, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। कार्यशाला में वक्ताओं ने प्रतिभागियों को यह भी समझाया कि योग और वैलनेस गतिविधियों को होमस्टे और पर्यटन सेवाओं में शामिल करने से क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

पीएम-पोषण योजना में 3.18 करोड़ का गबन, जांच एसआईटी को सौंपी

शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत बोले – दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा

पथ प्रवाह, संवाददाता प्रधानमंत्री पोषण योजना (मिड-डे मील) एवं शक्ति निर्माण योजना में सामने आए बड़े वित्तीय घोटाले की जांच अब विशेष जांच दल (एसआईटी) को सौंपी गई है। विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने शनिवार को इसकी औपचारिक मंजूरी दी।

करीब दो माह पहले देहरादून स्थित पीएम पोषण प्रकोष्ठ में वित्तीय अनियमितताओं की शिकायत सामने आई थी। विभागीय स्तर पर हुई जांच में यह पाया गया कि उपनल के माध्यम से सेवायोजित कार्मिक सीधे तौर पर दोषी है, जबकि तत्कालीन अधिकारियों की लापरवाही भी उजागर हुई।

3.18 करोड़ का गबन

जांच में सामने आया कि एमआईएस समन्वयक नवीन सिंह रावत ने अपने तकनीकी ज्ञान का

दुरुपयोग कर वित्तीय वर्ष 2023-24 से 2025-26 के बीच 3.18 करोड़ से अधिक की राशि विभिन्न अज्ञात खातों में ऑनलाइन ट्रांसफर कर दी। हालांकि इस प्रकरण में अन्य कर्मचारियों की प्रत्यक्ष संलिप्तता नहीं मिली, लेकिन आधा दर्जन जिला शिक्षा अधिकारी (बेसिक) और वित्त एवं लेखाधिकारी जांच के घेरे में आए हैं।

शिक्षा मंत्री का कड़ा रुख

शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि ÷सरकारी धन की हेराफेरी करने वालों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। आरोपियों के साथ-साथ लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई होगी।

उन्होंने बताया कि दोषी अधिकारियों पर उत्तराखंड सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) अधिनियम के तहत कार्यवाही की जाएगी। साथ ही भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वित्तीय और गोपनीय कार्य केवल सक्षम और स्थाई कार्मिकों को ही सौंपे जाएं।

आयकर में छूट जीएसटी सुधारों से मध्यवर्ग को होगा बड़ा लाभ : भाजपा

नयी दिल्ली। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को कहा कि बजट में आयकर की सीमा में छूट और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों से मध्यवर्गीय परिवारों को बचत के साथ बड़ा लाभ मिलने वाला है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी एवं सांसद अनिल बलूनी ने कहा कि जीएसटी सुधारों को जनता तक पहुंचाने के लिए पार्टी ने कार्ययोजना तैयार की जिसके तहत देश के जिलों में चौपाल लगाकर जन-जन को होने वाले फायदे की जानकारी दी जाएगी।

केंद्रीय मंत्री ने भाजपा मुख्यालय में पत्रकारों से कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मध्यवर्गीय परिवार के प्रति निष्ठा का भाव हम सभी को समय-समय पर दिखाई देता है, इसी कड़ी में मध्यम वर्ग के लिए आयकर में छूट की सीमा 12 लाख रुपए तक करना और उसके बाद व्यापक पैमाने पर जीएसटी में सुधार किया है। यह सुधार करके श्री मोदी ने मध्यम वर्गीय परिवारों को बहुत बड़ी राहत देने के साथ बहुत बड़ा तोहफा दिया है।

उन्होंने कहा कि जरुरत की सारी वस्तुओं पर जीएसटी कम किया गया है। इससे रोटी, कपड़ा और मकान... तीनों पर करों का बोझ कम हुआ है। आज इलेक्ट्रॉनिक्स की कई तरह की चीजें हर घर में उपयोग में लायी जाती हैं। सोलर पैनल से लेकर मोबाइल फोन तक... जीएसटी में सुधार से इन सभी चीजों के दामों का बोझ कम होगा।

श्री वैष्णव ने कहा कि जीएसटी सुधारों का काम डेढ़ साल पहले अमेरिका में होने वाले चुनाव से पहले शुरू हुआ था, प्रधानमंत्री का सीधा संदेश रिफॉर्म, फरफार्म ट्रांसफार्म अब देश में सुधारों को आगे ले जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने जीएसटी सुधारों पर स्पष्ट तौर पर निर्णय लेने के साथ ही इस बात को भी सुनिश्चित करने को कहा है कि इन सुधारों का लाभ आम जनता सीधे तौर पर अवश्य पहुंचे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जीएसटी में जिस तरह के सुधार हुए हैं, ये सुधार हमारे देश के 140 करोड़ देशवासियों के जीवन में एक बहुत बड़ी राहत लेकर आए हैं। उन्होंने कहा कि आप सभी को मालूम है कि 2014 से पहले कांग्रेस के समय में टैक्स का एक ऐसा मकड़जाल था, जिसके कारण हर वस्तु पर कई तरह के टैक्स होने के कारण साधारण परिवार पर, आम आदमी और मध्यमवर्गीय परिवार पर बोझ बन गया था।

श्री वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जीएसटी की दरों में कमी लाकर जिस तरह का सुधार लाया है इससे देश के जन-जन में को बहुत अधिक फायदा मिलने के साथ बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने लाल किले की प्राचीर से देश को जीएसटी सुधार का विश्वास दिलाया था और उस संकल्प को उन्होंने साकार करके दिखाया।

स्वामी/प्रकाशक **वीरेन्द्र सिंह** ने मुद्रक **प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)** से मुद्रित कराकर, **मुख्य कार्यालयः 41, शांतिपुरम, जगजीपुर, कनखल, हरिद्वार पिन–249408 (उत्तराखण्ड)** से प्रकाशित किया। **वीरेन्द्र सिंह** (सम्पादक) 9411111733, **सुरेन्द्र पाल सिंह** (ब्यूरो चीफ, उत्तरकाशी) 7376757899 वेबसाई– www.pathpravah.com